।। श्री हरि शरणम्।।

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN/2012/43555

वर्ष - 12 अंक - 205

रायसेन
मंगलवार, 21 जनवरी 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

खास बात

क्रोध समझदारी को घर से बाहर निकाल देता है।

- गेटे

संक्षिप्त समाचार

25 फरवरी को भोपाल आएंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

भोपाल। विधानसभा का बजट सत्र फरवरी में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद शुरू होगा। 31 मार्च के पहले तक चलने वाले सत्र की अवधि कम से कम बीस दिन रखने की तैयारी है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के बीच जनवरी के अंतिम सप्ताह में होने वाली चर्चा के बाद सत्र की तिथि का निर्धारण किया जाएगा। इसे राज्यपाल मंगू भाई पटेल की स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। विधानसभा का बजट सत्र इस साल फरवरी में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के चलते 26 फरवरी के बाद ही शुरू होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का शुभारंभ करने 25 फरवरी को भोपाल आने वाले हैं।

अपराधी के साथ केक काटना महंगा पड़ा, दो एएसआई निलंबित

मंदसौर। जिले के दो सब इंस्पेक्टर्स को एक हिस्ट्री शीटर बदमाश के साथ जन्मदिन का केक काटने के आरोप में

तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है. एक आदतन अपराधी के साथ केक काटने का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस अधीक्षक ने दोनों सब इंस्पेक्टर के खिलाफ कार्रवाई की है। निलंबित किए एमपी पुलिस के दोनों सब इंस्पेक्टर्स को एक हिस्ट्री शीटर तस्कर के साथ जन्मदिन का केक काटते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके आधार पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद ने दोनों को तत्काल प्रभाव से निलंबन का आदेश जारी कर दिया।

डिप्टी सीएम ने डिप्टी कलेक्टर बनने पर आयशा को किया सम्मानित

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग 2022 में डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयनित हुई रीवा की बेटी और ऑटो चालक पिता का मान बढ़ाने वाली आयशा अंसारी को सम्मानित किया। राजेंद्र शुक्ल ने बधाई देते हुए उन्हें शुभकामनाएं भी दीं।

अंतर्मना उवाच

आज कल के रिश्ते और लोग मन देखकर नहीं... बल्कि धन, दौलत और अच्छा मकान देखकर आते हैं..!

एक सम्राट की अचानक मृत्यु हो गई। उसके संतान नहीं थी। सम्राट की संपत्ति की हकदार उसकी पत्नी थी। **सम्राट की पत्नी ने जवान नौकर से शादी कर ली।** नौकर ने कहा - मैं सोचता था कि मैं मालिक के लिए काम करता हूं, लेकिन आज समझ आया कि सम्राट मेरे लिए इतनी मेहनत कर रहा था। **सोचो सम्राट की अरबों की सम्पत्ति एक स्वांस रूकते ही निस्सार हो गई।** संपत्ति का मालिक अब नौकर हो गया।

बात बहुत गहरी और समझने जैसी है -- ज़िन्दगी में औक़ात और धन से ज्यादा तो हमारा अहंकार और आकांक्षाएँ हैं, जो ना जीने देती है, ना मरने। **हम अपने लिए कम, औरों को दिखाने के लिये ज्यादा जीते हैं,** जैसे --

- अच्छे से अच्छे मोबाइल के 65%फंक्शन अनुपयोगी है, फिर भी लेते हैं। **आई एम समथिंग...**
- मंहगी गाड़ी की स्पीड 65%अनुपयोगी है, फिर भी लेते हैं।
- आलीशान घर, मकान, बंगले का 65%हिस्सा खाली पड़ा रहता है, फिर भी बनाते हैं।
- कपड़े की अलमारी में 65%वस्त्र बिना उपयोग के रखे रहते हैं। किसी को देते भी नहीं है।
- हम अपनी योग्यता और क्षमताओं का उपयोग 65% करते ही नहीं है, फिर भी किस्मत को दोष देते हैं।
- जिंदगी की कमाई का 65%दूसरों के लिए करते हैं, जो स्वांस थमते ही छूट जाती है। 35% का उपयोग कैसे करें...?
- **धन कम हो चिंता नहीं पर वाणी - व्यवहार और उदारता में दिल दरिया होना चाहिए।**
- जितना संभव हो उतना अहम ओर वहम से बचें।
- सामर्थ्य कम हो चिंता नहीं लेकिन सरलता और समर्पण पूरा होना चाहिए।
- मन की शांति, चेहरे की प्रसन्नता विपरीत परिस्थितियों में भी कम नहीं होनी चाहिए।
- **कोशिश करो कि शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्न बना रहे...!!!**

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

आयुर्वेद पर्व का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बोले

आयुर्वेद की दवाई से इतना तेज असर हुआ कि शिक्षा मंत्री से बन गया सीएम

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोग कहते हैं कि आयुर्वेद की दवाई देर से असर करती है लेकिन मुझे आयुर्वेद की दवाई ने तेजी से असर किया, मै शिक्षा मंत्री से मुख्यमंत्री बन गया। दरअसल सीएम सोमवार को राजधानी भोपाल स्थित पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेदिक संस्थान में अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन की सहभागिता से हो रहे तीन दिवसीय आयुर्वेद पर्व को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि एमपी की धरती पर 2028 को महाकुंभ होने जा रहा है। हमारी आस्था विश्वास रखने वालों का पलक पावड़े बिछा कर 2028 का इंतजार करेगी। 2028 कुंभ में आयुर्वेद पर्व का आयोजन करेंगे।

कार्यक्रम में पर उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार, विधायक भगवानदास सबनानी और पद्मश्री एवं पद्मभूषण से अलंकृत अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन ट्रस्ट, नई दिल्ली के अध्यक्ष वैद्य देवेन्द्र त्रिगुणा समेत प्रमुख सचिव आयुष विभाग डीपी अहूजा, वैद्य मनोज नीसरी, आर उमा स्वामी, उमेश शुक्ला, विनोद बैरागी मौजूद रहे।

अहिल्या देवी की नगरी महेश्वर में होगी अगली मंत्रि-परिषद : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्ष 2025 मालवा की महारानी पुण्यश्लोका अहिल्या देवी का 300वां जयंती वर्ष है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने देवी अहिल्या माता की 300वीं जयंती मनाने का निर्णय लिया है। इस उपलक्ष्य में हम पूरे वर्ष अलग-अलग कार्यक्रम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रि-परिषद की अगली बैठक मालवा की महारानी लोकमाता अहिल्या देवी को समर्पित की जाएगी। उन्होंने बताया कि मंत्रि-परिषद की बैठक 24 जनवरी को लोकमाता की राजधानी रही धार्मिक नगरी महेश्वर में होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को जारी अपने संदेश में यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता अहिल्या देवी का जीवन धार्मिकता, त्याग और करुणा का प्रतीक था। वे न केवल एक कुशल शासिका थीं, बल्कि एक आदर्श नारी और माता भी थीं।

सीएम ने कहा कि हमारे काढ़े को बड़े-बड़े एलोपैथिक डॉक्टर मांगकर पीते थे। आयुर्वेद का कोई तोड़ नहीं है, यह प्रत्यक्ष अनुभव से सिद्ध होता है। अगर जीवन के किसी मोड़ पर आपको अपने शरीर से तालमेल बैठाने की जरूरत होती है, तो आयुर्वेद इसमें आपकी मदद जरूर करेगा। यह गारंटी है। हम अपने जीवन का हर पल जी रहे हैं, तो ऑक्सीजन हमें वनस्पति से ही मिल रही है। यह प्रकृति का परस्पर सह-अस्तित्व का सबसे बड़ा उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुर्वेद हजारों साल पुरानी परंपरा है। आज जब दुनिया इसकी ओर जा रही है, तो हम एक तरह से इसके राजदूत हैं। हमारे प्रधानमंत्री तो इसके ब्रांड एंबेसडर हैं। प्रधानमंत्री भारत से बाहर जाकर भी हर मोर्चे पर आयुर्वेद को प्रमोट करते हैं।

65 की उम्र में रिटायर होंगे आयुर्वेद डॉक्टर

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि जो एक बार आयुर्वेद को जान लेता है, वो फिर किसी और को नहीं मानता। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद हजारों साल पुरानी परंपरा है लेकिन पूरी दुनिया अब इसे जानने के लालायित है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी योग विधा के ब्रांड एंबेसडर बन चुके हैं, जिन्होंने योग और आयुर्वेद के ज्ञान को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शासकीय स्तर पर 11 आयुर्वेदिक कॉलेज खोले जाएंगे। उन्होंने एक साथ कई बड़े ऐलान करते हुए कहा कि आयुर्वेद कॉलेजों में डॉक्टरों के साथ-साथ अब नर्सिंग और पैरामेडिकल के कोर्स भी कराए जाएंगे। मोहन यादव ने आयुर्वेद चिकित्सकों को बड़ी सौगात देते हुए कहा कि अब वो भी 65 वर्ष तक अपनी सेवाएं दे सकेंगे। जो वित्त संबंधी समस्याएं हैं, उन्हें दूर किया जाएगा और अब 62 वर्ष की बजाय 65 वर्ष तक सेवाएं दे पाएंगे।

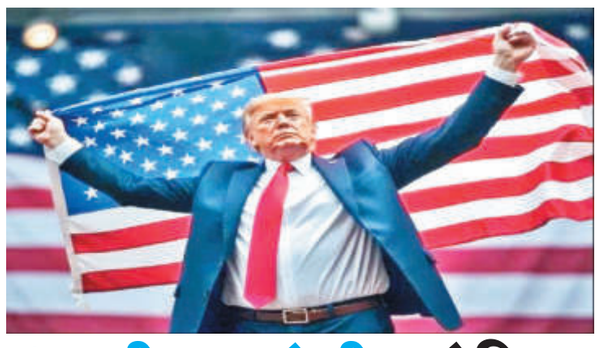

ट्रंप की ताजपोशी, अमेरिका में हुई नए युग की शुरुआत

शपथ से पहले ट्रम्प बोले- तीसरा विश्व युद्ध रोकूंगा

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिकी संसद में शपथ ली। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति ओबामा, जार्ज बुश, भारत का प्रतितिनिधित्व कर रहे एस. जयशंकर, उद्योगपति अंबानी, बाइडन सहित देश दुनिया के दिग्गज भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। ज्ञात रहे कि डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बने। उनके पद की शपथ लेने के बाद कई देशों में हलचल मच गई।

शपथ लेने से पूर्व रविवार रात को वॉशिंगटन में विक्ट्री स्पीच (विजयी भाषण) दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि वे दुनिया में तीसरा विश्व युद्ध होने से रोकेंगे। उन्होंने दावा किया कि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध के बेहद नजदीक है। ट्रम्प ने इजराइल-हमास के बीच हुए सीजफायर का भी श्रेय लिया। उन्होंने कहा कि यह ट्रम्प इफेक्ट है। उनके चुनाव जीतने के महज 3 महीने के भीतर गाजा में सीजफायर हो गया है। ट्रम्प ने यूक्रेन में जारी जंग और मिडिल ईस्ट के देशों में फैली अराजकता को रोकने की बात भी कही।

ट्रम्प के भाषण की बड़ी बातें

- **अवैध प्रवासियों पर-** ट्रम्प ने अमेरिका से अवैध प्रवासियों को निकालने की बात कही। ट्रम्प ने कहा बहुत जल्द हम अमेरिका इतिहास का सबसे बड़ा निर्वासन अभियान शुरू करेंगे।
- **अपने शपथ ग्रहण पर-** शपथ ग्रहण पर बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि हम अपना देश वापस लेंगे। उन्होंने कहा, अमेरिका के पतन के चार लंबे साल खत्म हो रहे हैं और हम अमेरिकी शक्ति, समृद्धि, गरिमा और गर्व का एक नया दिन शुरू करने जा रहे हैं।
- **वैचारिक बदलाव पर-** ट्रम्प ने कहा, हम अपनी स्कूलों में देशभक्ति की भावना को बहाल करेंगे, कट्टर वामपंथी और वोक विचारधाराओं को हमारी सेना और सरकार से बाहर करेंगे। हम अमेरिका को फिर से महान बनाएंगे।
- **कैपिटल हिल हिंसा के दोषियों पर-** डोनाल्ड ट्रम्प अपने पहले कार्यकाल में 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल में हुई हिंसा के दोषियों को माफी दे सकते हैं। रैली के दौरान ट्रम्प ने बताया वे इन दोषियों पर लिए गए फैसले से बेहद खुश हैं।
- **कैनेडी की हत्या पर-** डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वो पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी समेत दूसरे नेताओं की हत्याओं से जुड़े 60 साल पुराने सरकारी दस्तावेजों को सार्वजनिक करेंगे।
- **टिकटॉक पर बैन नहीं लगेगा-** डोनाल्ड ट्रम्प ने चीनी ऐप टिकटॉक को प्रतिबंध नहीं लगाने की बात दोहराई। उन्होंने शपथ ग्रहण के बाद इसके लिए एक कार्यकारी आदेश जारी करने की बात कही। भाषण के दौरान ट्रम्प ने कहा कि आज से टिकटॉक वापस आ गया है। ट्रम्प ने कहा-हमें टिक-टॉक को बचाना होगा क्योंकि हमें कई नौकरियां बचानी हैं।

धर्मांतरण मामले में धीरेंद्र शास्त्री सख्त, जल्द बनाएंगे बागेश्वर सेना

सेना में आदिवासियों को जोड़ेंगे

छतरपुर ■ ब्यूरो

धर्मांतरण के लिए सॉफ्ट टारगेट समझे जाने वाले आदिवासी समाज में जागरूकता लाने के उद्देश्य से बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने आदिवासी जन जागृति सम्मेलन का आयोजन किया। बाबा बागेश्वर ने कहा कि आदिवासी समाज न केवल अत्यंत सरल समाज है, बल्कि भोला भाला समाज है। यही वजह है कि लोग इन्हें गुमराह कर इनका धर्म परिवर्तन करा रहे हैं।

समाज में जागरूकता लाकर इन्हें सनातन धर्म की आर्मी के रूप में खड़ा करना है। बाबा बागेश्वर ने देशभर से आए आदिवासी समाज के लोगों को सनातन आर्मी बनाने का संकल्प दिलाया। जन जागृति सम्मेलन में झारखंड, उड़ीसा, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तेलंगाना सहित देश के विभिन्न हिस्सों से हजारों की तादाद में आदिवासी समाज के लोग शामिल हुए।

2 लाख के इनामी सहित 6 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सक्रिय एक इनामी सहित 6 नक्सलियों ने पुलिस एवं सीआरपीएफ अधिकारियों के समक्ष सोमवार को आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पित सभी नक्सली कई नक्सल घटनाओं में शामिल थे। छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति'' एवं सुकमा पुलिस द्वारा चलाये जा रहे ''नियद नेल्ला नार'' योजना से प्रभावित होकर तथा अति संवेदनशील अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार कैम्प स्थापित होने से पुलिस के बढ़ते प्रभाव के कारण नक्सली संगठन में सक्रिय छह नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

ताहिर हुसैन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

जेल में बैठकर चुनाव जीतना आसान है, इस पर रोक लगे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सख्त टिप्पणी की कि ऐसे सभी लोगों को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए। इसके साथ ही पीठ ने पूर्व पार्षद और दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन की याचिका पर सुनवाई 21 जनवरी तक टाल दी है, जिन्होंने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत मांगी है। मामले में न्यायमूर्ति पंकज मिथल और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने समय की कमी के कारण सुनवाई स्थगित कर दी, लेकिन जैसे ही दिन की कार्यवाही शुरू हुई, ताहिर हुसैन के वकील ने मामले का उल्लेख किया और 21 जनवरी को सुनवाई का अनुरोध किया।

पीठ ने जवाब में टिप्पणी की, जेल में बैठकर चुनाव जीतना आसान है। ऐसे सभी लोगों को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए। उनके वकील जानकारी देते हुए कहा कि ताहिर हुसैन का नामांकन स्वीकार कर लिया गया है। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने 14 जनवरी को ताहिर हुसैन को एआईएमआईएम के टिकट पर मुस्तफाबाद निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए पैरोल दी थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवेशकों से करेंगे सीधा संवाद

मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर पुणे में कल इंटरेक्टिव सत्र

भोपाल ■ प्रतिनिधि

प्रदेश सरकार द्वारा औद्योगिक विकास और निवेश के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए 22 जनवरी को इंटरेक्टिव सत्र पुणे में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पुणे में मध्यप्रदेश में निवेश के अवसर पर आयोजित इंटरेक्टिव सत्र में निवेशकों और उद्योगपतियों से सीधा संवाद करेंगे। यह सत्र न केवल मध्यप्रदेश के निवेश अवसरों को प्रदर्शित करेगा, बल्कि राज्य को उद्योगों के लिए एक अनुकूल स्थान के रूप में स्थापित करने की दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों की निरंतरता को भी दर्शाएगा। मुंबई, कोलकाता, बैंगलोर और कोयंबटूर में मिली सफलता के बाद पुणे का यह सत्र निवेशकों के लिए एक और सुनहरा अवसर है। इन शहरों में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी दूरदर्शी नीतियों और प्रदेश के निवेश अनुकूल माहौल को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं को नई दिशा मिली। पुणे का यह सत्र उसी श्रृंखला का हिस्सा है, जो राज्य को निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पुणे में प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों से मध्यप्रदेश में औद्योगिक, पर्यटन, आईटी/आईटीईएस और ईएसडीएम क्षेत्र के लिए सकारात्मक वातावरण व संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

उठक-बैठक लगाकर बाबा साहब से माफी मांगें राहुल गांधी : विजयवर्गीय

ग्वालियर। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने राहुल गांधी के पूर्वजों को टारगेट करते हुए बड़ा बयान दिया है। उन्होंने राहुल गांधी को सलाह दी है कि आपके पूर्वजों ने बाबा साहब के साथ बहुत अन्याय किया है, ऐसे में आपको क्षमा यात्रा निकालते हुए बाबा साहब के सामने उठक-बैठक लगाकर माफी मांगनी चाहिए। मंत्री विजयवर्गीय ने महू में कांग्रेस द्वारा निकाली जा रही जय बापू जय भीम जय संविधान यात्रा के जरिए राहुल गांधी को टारगेट किया और कहा कि राहुल जी और उनके खानदान ने कभी अंबेडकर साहब का सम्मान नहीं किया। नेहरू जी ने सबसे ज्यादा किसी का तिरस्कार किया तो डॉक्टर अंबेडकर का किया था।

आरजी कर मामले में कोर्ट के फैसले पर ममता बोलीं

फांसी होती तो मन को सुकून मिलता

कोलकाता ■ एजेंसी

आरजी कर मामले में दोषी संजय रॉय को उम्र कैद की सजा सुनाए जाने पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने असंतोष जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि वह कोर्ट के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि यदि यह मामला उनके पास होता तो दोषी को फांसी की सजा दिलवा देते।

मालदा जिले के दौरे पर पहुंचीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह अदालत के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। यदि यह मामला हमारे पास होता तो हम बहुत पहले ही फांसी की सजा दिलवा देते। मैं नहीं जानती कि सीबीआई ने इस मामले को कैसे लड़ा और क्या तर्क दिए, लेकिन मुझे संतोष नहीं मिला। फांसी होती तो मन को सुकून मिलता।

ममता ने यह भी कहा कि आरजी कर मामला बेहद गंभीर है। उन्होंने अपनी बात रखते हुए जयनगर, फरक्का और गुड़ाप के दुष्कर्म-हत्या मामलों का जिक्र किया, जहां पुलिस ने जांच पूरी कर दोषियों को फांसी की सजा दिलवाई थी। ममता बनर्जी ने सीबीआई की कार्यशैली पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि हम चाहते थे कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले, लेकिन यह मामला हमारे हाथ से लेकर सीबीआई को सौंप दिया गया। उन्होंने कहा कि सीबीआई पर उन्हें भरोसा था, लेकिन वे उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी।

रक्षा मंत्री ने एनसीसी कैडेट्स में भरा जोश

2047 तक विकसित भारत बनाने में दें योगदान: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को एनसीसी कैडेट्स में जोश भरा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी एनसीसी कैडेट रहे हैं। पीएम मोदी ने विकसित भारत बनाने लक्ष्य तय किया है। कैडेट्स को उनके लक्ष्य को पूरा करने में सहयोग करना चाहिए। रक्षा मंत्री ने एनसीसी कैडेट्स से भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान देने के लिए कहा।

दिल्ली छावनी में गणतंत्र दिवस को लेकर चल रहे राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के शिविर के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कैडेटों और अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मुझे एनसीसी कैडेटों में भारत की छवि नजर आती है। एनसीसी कैडेट के अनुशासन और एकता की रक्षा मंत्री ने सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत में शरीर अनेक हैं, पर आत्मा एक है। शाखाएं अनेक हैं मगर जड़ एक है। किरणें अनेक हैं, मगर प्रकाश एक है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि राजनीति में आने से पहले वह स्वयं एक छात्र, एनसीसी के कैडेट और भौतिकी के शिक्षक थे।

गणतंत्र दिवस शिविर में भाग ले रहे 2361 कैडेट

दिल्ली छावनी में 30 दिसंबर से चले गणतंत्र दिवस शिविर में देश भर से कुल 2,361 एनसीसी कैडेट भाग ले रहे हैं। यह शिविर 27 जनवरी को प्रधानमंत्री की रैली के साथ समाप्त होगा। इस वार्षिक कार्यक्रम में 917 बालिका कैडेट भी भाग ले रही हैं।

खिलौना विनिर्माण क्षेत्र में प्रगति ने आत्मनिर्भरता के प्रयास को बढ़ावा दिया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को इस बात का उल्लेख किया कि खिलौना विनिर्माण क्षेत्र में सरकार की उन्नति ने आत्मनिर्भरता के हमारे प्रयास को बढ़ावा देकर परंपराओं और उद्यमिता को लोकप्रिय बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर मन की बात अपडेट्स' हैंडल की एक पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा, हमने मन की बात के एक एपिसोड में खिलौना विनिर्माण को बढ़ावा देने के बारे में बात की थी और पूरे देश में सामूहिक प्रयासों से हमने इसमें काफी प्रगति भी की है। इस क्षेत्र में हमारी प्रगति ने आत्मनिर्भरता के हमारे प्रयास को बढ़ावा दिया है और परंपराओं तथा उद्यमिता को लोकप्रिय बनाया है।

संक्षिप्त समाचार

मिडिल स्कूल बोरगांव खुर्द विधिक जागरूकता शिविर आयोजित हुआ

खंडवा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं वनस्टॉप सेंटर खंडवा द्वारा ग्राम बोरगांव खुर्द के मिडिल स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन सोमवार को किया गया।इसमें पीएलवी गणेश कानडे,कल्पना कनाडे एवं वन स्टॉप सेंटर से रजनी कनाडे ने बच्चो को जे जे एक्ट , पॉक्सो एक्ट एवं घरेलू हिंसा अधिनियम की जानकारी प्रदान की। चाईल्ड हेल्प लाईन नंबर 1098,महिला हेल्प लाइन हेतु 112 एवं सायबर हेल्प लाइन नबर 1930 पुलिस हेल्प लाइन 100 डॉयल आदि की जानकारी दी गई।

इंदौर में नकली नोटों के साथ पकड़ाया जबलपुर का युवक

इंदौर। इंदौर की लसूड़िया पुलिस ने एक युवक के पास से 23 हजार रुपए के नकली नोट पकड़े हैं। आरोपी ने आधे दाम पर यह नोट राजस्थान के अपने एक दोस्त से लेना कबूल किए है। नोट चलने के बाद उसे रुपए का भुगतान करना होता था। अब राजस्थान के आरोपी की पुलिस तलाश कर रही है। टीआई तारेश सोनी की टीम ने शनिवार देर रात इल्वा स्कूल के पास युवक शुभम रजक को नकली नोट चलाते हुए पकड़ा है। वह जबलपुर के लाड़गंज पुरानी मछरई निवासी है। अभी इंदौर में स्कीम नंबर 136 में रह रहा था। उसके पास 500 के 46 नोट मिले हैं। थाने लाकर पूछताछ की तो उसने ओर नोट होने की बात कबूली है।

चुनार स्टेशक तक बढ़ाई गई इटारसी-प्रयागराज छिवकी ट्रेन के फेरों में वृद्धि

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा महाकुम्भ मेला के अवसर पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए इटारसी-प्रयागराज छिवकी-इटारसी एक्सप्रेस ट्रेन को चुनार स्टेशन तक चलाने का निर्णय लिया गया था। प्रयागराज छिवकी से चुनार के मध्य चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन के फेरों में बढ़ोत्तरी की गई है। अर्थात जिन तिथियों में यह ट्रेन चुनार तक नहीं जा रही थी अब उन तिथियों में भी चुनार तक चलाई जाएगी, जिसका विवरण निम्न है। अब गाड़ी संख्या 11273 इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस ट्रेन दिनांक 19 जनवरी 2025 से 27 फरवरी 2025 तक निरंतर प्रतिदिन चुनार तक चलाई जाएगी। यह ट्रेन इटारसी स्टेशन से 17:15 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन सुबह प्रयागराज छिवकी 09:55 बजे पहुँचकर, 10:15 बजे प्रस्थान कर, मेजा रोड 11:10 बजे, माण्डा रोड 11:30 बजे, विन्ध्याचल 11:58 बजे, मिर्जापुर 12:13 बजे पहुँचकर, दोपहर 13:30 बजे चुनार स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 11274 प्रयागराज छिवकी-इटारसी एक्सप्रेस ट्रेन दिनांक 20 जनवरी 2025 से 28 फरवरी 2025 तक निरंतर प्रतिदिन चुनार से चलाई जाएगी। यह ट्रेन चुनार स्टेशन से सायं 16:30 बजे प्रस्थान कर मिर्जापुर 16:55 बजे, विंध्याचल 17:13 बजे, माण्डा रोड रोड 17:45 बजे, मेजा रोड 18:08 बजे, प्रयागराज छिवकी 19:45 बजे पहुँचकर तथा रात्रि 20:15 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन सुबह 11:30 बजे इटारसी स्टेशन पहुंचेगी।

ग्वालियर में अड़ीबाजी करने वाले बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़े

कट्टा अड़ाकर ट्रक ड्राइवर से कराए थे 12 हजार फोन-पे, दो की तलाश

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में अड़ीबाजी करने आए दो बदमाशों को सिरोल थाना पुलिस ने अलापुर तिराहे से गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों से पुलिस को एक बोलेरो गाड़ी बरामद हुई है। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी हुई है। पूछताछ में पता चला है कि पकड़े गए आरोपियों ने दिसंबर माह में एक ट्रक चालक से अड़ीबाजी कर 12 हजार रुपए ऐंठे थे। इसका पता चलते ही पुलिस उनसे पूछताछ कर पता लगा रही है कि उन्होंने इसके अलावा और कौन-कौन सी वारदातों को अंजाम दिया है।

पुलिस देखकर वाहन वापस मोड़ लिया: सिरोल थाना प्रभारी आलोक सिंह भदौरिया ने बताया कि रविवार रात हाइवे स्थित अलापुर तिराहे पर एसआई राधेश्याम शिवहरे, प्रधान आरक्षक उमेश और थाने के अन्य बल के साथ चेकिंग कर रहे थे। इसी बीच एक बोलेरो जीप आती दिखाई दी, पुलिस चेकिंग को देखते हुए चालक ने अपना वाहन रोका और वापस मोड़कर वापस ले जाने का प्रयास किया। पुलिसकर्मियों ने बोलेरो को घेर लिया, तो उसमें सवार दो युवक भागने लगे। जिनका पुलिसकर्मियों ने पीछा कर पकड़ा और पूछताछ की तो पुलिस के डर से भागने की वजह बताया। उनकी बात गले नहीं उतरी तो पुलिस उन्हें थाने लेकर आई।

पूछताछ में बताए गलत नाम-पते

जब पुलिसकर्मियों ने थाने लाकर उनसे पूछताछ की तो उन्होंने अपने नाम व पते गलत बताए। पुलिस ने जब इसकी तस्दीक की तो पता चला कि वह झूठ बोलकर गुमराह कर रहे हैं, इससे पुलिस को उन पर शंका हुई और उनसे दोबारा पूछताछ की तो उन्होंने अपने नाम रिंकू पुत्र पंजाब सिंह गुर्जर निवासी तिघरा और हरेंद्र सिंह पुत्र मोहर सिंह निवासी ओढ़पुरा तिघरा बताए हैं। तभी पता चला कि इस नाम के बदमाशों ने दिसम्बर माह में पंजाब निवासी अमन सिंह देओल का ट्रक रोका था और खुद को सेल्स टैक्स अफसर बताया था। इसके बाद उन पर कट्टा अड़ाकर जबरन 12 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कराए थे।

पुलिस अब बदमाशों से अन्य वारदातों की जानकारी जुटा रही

ट्रक चालक से अड़ीबाजी का पता चलते ही पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर बोलेरो जब्त कर ली है। पुलिस अब उनसे पूछताछ कर पता लगा रही है कि वारदात में उनके दो अन्य साथी कौन थे और इसके अलावा उन्होंने और कितनी वारदातें की हैं। उनके अलावा और उनके गिरोह में कौन-कौन शामिल है।

साथियों की तलाश में पुलिस टीम हुई रवाना

पुलिस अफसरों का मानना है कि इस गिरोह के दो अन्य सदस्य ओढपुरा के होंगे। इसका पता चलते ही एक टीम उनसे पूछताछ में लगी है। दूसरी टीम उसके साथियों की तलाश में रवाना हो गई, जिससे इनके पकड़े जाने का पता चलते ही वह फरार ना हो जाए।

बुदनी ग्राम नांदनेर में

खेत में काम कर रहे दो युवकों की करंट लगने से हुई मौत

बुदनी। शाहगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम नांदनेर में खेत में कार्य कर रहे है दो युवक नितेश अहिरवार उम्र 28 वर्ष महेश अहिरवार उम्र 32 वर्ष की करंट लगने से दुखद मौत हो गई। मौके पर पहुंची शाहगंज पुलिस ने शवो को अपने कब्जे में लेकर उनका पोस्टमार्टम करवाने के लिए बुदनी भेज दिया है। और मामले में आगे की जांच की जा रही है।

अधिवक्ता संघ ने किया बालिका किक्रेट चयन पर सिद्धि दुबे का स्वागत

माखननगर ■ निसं

मध्यप्रदेश की अंडर 19 बालिका शालेय क्रिकेट टीम से माखननगर की सिद्धि दुबे (लाली) उदयपुर में होने वाले टूर्नामेंट में अपना खेल प्रदर्शन करेगी।

नगर के अधिवक्ता शैलेश कुमार दुबे की पुत्री सिद्धि दुबे (लाली) का टीम में चयन होने पर व माखन नगर का गौरव बढ़ाने पर अधिवक्ता संघ ने सिद्धि दुबे (लाली) का स्वागत किया । साथ ही उसके उज्जवल भविष्य की कामना की । स्वागत करनेवालों में अधिवक्ता संघ अध्यक्ष हरगोविंद चौहान , सचिव राजेंद्र कुमार , अधिवक्ता विजय कुमार दुबे ,अधिवक्ता अनिल कुमार यादव , अधिवक्ता जीवन साहू ,सहित सभी अधिवक्ता साथी गण उपस्थित रहे ।

अनुविभाग घोषित करने व उप पंजीयक कार्यालय प्रारंभ करने की मांग को लेकर

अधिवक्ता संघ ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा

माखननगर ■ निसं

तहसील माखननगर को अनुविभाग (राजस्व) घोषित करने व उप पंजीयक (रजिस्ट्री) कार्यालय प्रारंभ किये जाने की वर्षो पुरानी मांग को लेकर अधिवक्ता संघ ने मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित ज्ञापन तहसीलदार अनिल पटेल को सौंपा ।

अधिवक्ता संघ अध्यक्ष हरगोविन्द चौहान ने बताया कि विगत कई वर्षो से माखननगर क्षेत्र के जनमानस से जुड़ी इन समस्याओं को लेकर अधिवक्ता संघ सहित अन्य सामाजिक, धार्मिक व व्यापारिक संगठन शासन प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराते आये हैं परन्तु लगभग 132 गांव , 64 ग्राम पंचायत व 60 पटवारी हल्के वाली तहसील के जनमानस की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया ।

अधिवक्ता संघ ने अपने ज्ञापन में लिखा कि वर्तमान में राजस्व मामलों की अपीलों सहित अन्य राजस्व कार्य सम्पादित कराने जनमानस को 50 से 100 कि.मी.की दूरी तय कर कठनाइयों का सामना करना पड़ता है । यह कि लंबित मांग एवं भौगोलिक स्थिति, ग्रामों की अधिकता व जनसंख्या की दृष्टि से एवं आदिवासी बाहुल्य को देखते हुए जन सामान्य की सुविधा को मध्येनजर तहसील क्षेत्र के लोगों को सस्ता सुलभ न्याय दिलाये जाने के लिए तहसील माखननगर के परिसीमन के पूर्व अविलम्ब अनुविभाग राजस्व घोषित कर उप पंजीयक रजिस्ट्री कार्यालय प्रारंभ किया जाये । ताकि क्षेत्रीय जनमानस को राहत मिल सके । और परेशानियों से मुक्ति पा सकें ।

देशगाँव में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया आमजन को जागरूक

खंडवा। पुलिस मुख्यालय के विशेष अभियान के तहत 01.01.25 से 31.01.25 तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह परवाह के रूप में मनाया जा रहा है। जिसके पालन में पुलिस अधीक्षक खंडवा श्री मनोज कुमार राय के निर्देशन एवं उप पुलिस अधीक्षक यातायात आनंद स्वरुप सोनी के मार्गदर्शन में 20.01.25 को यातायात थाने पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया अलग-अलग स्कूलों के 30 से अधिक छात्र एवं छात्राओं ने हिस्सा लिया एवं एक अन्य गतिविधि में नेहरु युवा केंद्र कि बच्चों के बीच में जाकर यातायात जागरुकता कार्यक्रम किया। उपरोक्त स्कूल के बच्चों को यातायात के नियमो के बारे बारीकी से बताया गया। यातायात से संबंधित नियमों के बारे मे जरूरी जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम मे थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक देवेन्द्र सिंह परिहार, सउनि विश्वास वानखेडे, आर 793 राम मूर्ति, प्रआर 274 दिगम्बर जाधव एवं आर 712 रामदिन जाट एवं स्कूल के बच्चे एवं स्कूलों के प्राचार्य मौजूद रहे।

भोपाल प्लेटफार्म पर आरपीएफ स्टाफ की सतर्कता से बच्ची की जान बची

भोपाल ■ निसं

भोपाल रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के सतर्क और त्वरित प्रयासों ने एक बच्ची की जान बचाने की मिसाल पेश की। यह घटना 16 जनवरी 2025 को ट्रेन संख्या 12137 पंजाब मेल के प्लेटफार्म से रवाना होने के दौरान हुई। ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ कर्मचारी श्री आर. विजय कौशल की तत्परता और साहस ने बच्ची की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई।

घटना के दौरान, पंजाब मेल के पिछले जनरल कोच में अचानक चेन पुलिंग (एसीपी) हुई। आर. विजय कौशल ने तुरंत स्थिति का निरीक्षण किया और देखा कि एक महिला यात्री घबराहट में जोर-जोर से रोते हुए मदद की गुहार लगा रही थी। महिला की बच्ची बेहोश थी।

श्री कौशल ने तत्काल बच्ची को गोद में लेकर प्राथमिक उपचार शुरू किया। उन्होंने बच्ची के चेहरे पर पानी छिड़का, आंखें मली, हाथ-पैर रगड़े और सिर दबाया। उनकी सूझबूझ और तत्परता से बच्ची को हल्का होश आ गया।

इसके बाद बच्ची को तुरंत प्लेटफार्म नंबर एक के बाहर ले जाया गया जहाँ गार्ड लाबी के ड्राइवर श्री हैदर की मदद से रेलवे की सरकारी गाड़ी में बच्ची को उसके माता-पिता के साथ नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉ. सुरेश कुमार ने बच्ची का तुरंत इलाज शुरू किया।

बच्ची के पिता, श्री अब्दुल बाकिर, जिला मुरैना, मध्य प्रदेश, ने रेलवे कर्मचारियों और आरपीएफ के प्रति आभार व्यक्त किया। वे भोपाल से मुरैना की यात्रा कर रहे थे।

इस सराहनीय कार्य पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने कहा, रेलवे सुरक्षा बल और कर्मचारियों का यह प्रयास यात्रियों के प्रति रेलवे की जिम्मेदारी और समर्पण को दर्शाता है।

आरपीएफ स्टाफ श्री आर. विजय कौशल की तत्परता ने बच्ची को जीवनदान दिया। भोपाल रेल मंडल यात्रियों की सुरक्षा और सहायता के प्रति इसी प्रकार अपने दायित्वों को निभाती रहेगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी आज आएंगे खंडवा, कांग्रेसजनों की लेंगे बैठक

खंडवा ■ निसं

अरुण यादव, उमंग सिंघार, कुणाल चौधरी, मितेन्द्र सिंह, सचिन यादव भी रहेंगे शामिल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी 20 से 23 जनवरी तक खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, इंदौर, शाजापुर, और मंडला जिलों की विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के प्रवास कर रहे है। वे इस दौरान विभिन्न स्थानों पर महू में 27 जनवरी को आयोजित जय बापू-जय भीम-जय संविधान अभियान की तैयारियों के संबंध में कांग्रेसजनों के साथ बैठक करेंगे।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय ओझा ने बताया कि श्री पटवारी आज 21 जनवरी मंगलवार को सुबह 9.30 बजे बुरहानपुर से प्रस्थान कर प्रात: 10.30 बजे खकनार में बैठक के बाद, दोपहर 12.30 बजे खंडवा पहुँचकर कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन में खंडवा विधानसभा के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे।वहा से दोपहर 1.30 बजे छैगांवमाखन के लिए प्रस्थान कर 2 बजे छैगांव माखन में होटल भगवती पैलेस में पंधाना एवं हरसूद विधानसभा के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे।

जिला कांग्रेस प्रवक्ता प्रेमांशु जैन ने बताया कि खण्डवा प्रवास के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी जी के साथ, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव,विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी ,यूथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष मितेन्द्र सिंह,कसरावद विधायक सचिन यादव सहित कई वरिष्ठ कांग्रेसजन मौजूद रहेंगे।

अनुभूति कैंप में छात्र-छात्राएं हुए पेड़ पौधों से रूबरू

दो हायर सेकेंडरी स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने किया शैक्षणिक भ्रमण

सिवनी मालवा ■ निसं

वन विभाग द्वारा स्कूली छात्र-छात्राओं को अनुभूति कैंप लगाकर जंगल तथा पेड़ पौधों से रूबरू कराया जाता है। इसी के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोमलवाडा एवं शासकीय नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बानापुरा के कक्षा नौवीं एवं ग्यारहवीं के छात्र-छात्राओं ने अनुभूति कैंप के अंतर्गत ग्राम पीपलगोटा के जंगलों का भ्रमण किया अनुभूति मास्टर ट्रेनर्स रामकिशोर चौरे सेवानिवृत्ति अपर वन मंडल अधिकारी, आर एन मालवीय सेवा निवृत वन परिक्षेत्र अधिकारी, मुकेश कुमार पटेल उपवन क्षेत्रपाल बानापुरा, महिपाल ठाकुर वनपाल, राम मूर्ति रघुवंशी वनपाल, दीपेंद्र चौधरी वनरक्षक ने अनुभूति कैंप के संबंध में जानकारी दी सभी छात्र-छात्राओं को कैंप में नाश्ता करवा कर प्रकृति पथ पर पेड़ पौधे घास औषधीय पौधों की पहचान करवाई उनके उपयोग से अवगत करवाया वृक्ष एवं वनों के महत्व पर्यावरण खाद्य श्रृंखला, तेंदूपत्ता संग्रहण की जानकारी नदी नाले में जल का प्रवाह, भूजल संरक्षण की जानकारी दी सागौन की पत्तियों में लगने वाली बीमारी डिफोलियेटर एवं इस्केलेटनाइसर के संबंध में जानकारी दी दोपहर में

भोजन करवा कर प्रश्न पत्र हल करवाया गया मध्य प्रदेश इको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड भोपाल के संबंध में जानकारी दी गई गिद्ध पक्षी के संबंध में जानकारी दी गई वन विभाग की संरचना एवं विभिन्न पदों पर सीधी भर्ती पदोन्नति एवं पदों की जानकारी दी गई अखिल भारतीय सेवाओं की जानकारी एवं उनकी भर्ती संबंधी जानकारी दी गई कपड़े से झूला बनाना समझाया गया हम हैं बदलाव के संबंध में समझाया गया बच्चों एवं शिक्षक शिक्षिकाओं से कार्यक्रम के संबंध में जानकारी ली पर्यावरण संरक्षण संबंधी दो नाटक किए गए फीडबैक फॉर्म भरवारा गया शपथ ग्रहण एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरित किए गए छात्र-छात्राओं को शहद एवं च्यवनप्राश वितरित किए गए अनुभूति कैंप में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोमलवाडा के प्राचार्य राममोहन रघुवंशी, अखिलेश यादव, शिव शंकर चौधरी, शिखा रघुवंशी शासकीय नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य अशोक सोनिया आदि उपस्थित थे।

महापौर द्वारा संक्रांति पर्व पर हल्दी-कुमकुम समारोह का हुआ आयोजन

खंडवा ■ निसं

प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी महापौर अमृता अमर यादव द्वारा सोमवार को तापड़िया गार्डन में मिठास का पर्व मकर संक्रांति समारोह धर्म की संस्कृति के अनुरूप उत्साह के साथ मनाया गया, पूरा तापड़िया गार्डन मकर संक्रांति की थीम पर आकर्षक रूप से सजाया गया था, देश की संस्कृति पर आधारित सेल्फी पॉइंट भी बनाए गए थे, समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि महापौर अमृता यादव द्वारा आयोजित इस समारोह में हजारों की संख्या में मातृ शक्ति ने उपस्थित होकर एक दूसरे को हल्दी-कुमकुम लगाकर एवं तिल के लड्डू खिलाकर मकर संक्रांति का पर्व मनाया, और देश संस्कृति पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया, सोमवार को कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना एवं सरस्वती पूजन के साथ प्रारंभ हुआ जिसमें मातृशक्ति मिलन,हल्दी-कुमकुम, लोक भजन, गणगौर नृत्य, पंजाबी नृत्य राजस्थानी नृत्य, महिषासुर मर्दिनी एवं धर्म से जुड़ी प्रश्नावली सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित हुए, समारोह को संबोधित करते हुए समारोह संयोजक अमृता अमर यादव ने कहा कि मकर संक्रांति भारत में एक प्रमुख त्यौहार है जो 14 जनवरी के आसपास 15 दिनों तक उत्साह उमंग और मिठास के साथ मनाया जाता है।

प्राइवेट अस्पताल में काम करने वाला युवक एक साल तक युवती से दुष्कर्म करता रहा

सिवनी मालवा ■ निसं

प्राइवेट अस्पताल में काम करने वाला युवक हत्या की धमकी देकर एक साल तक 20 वर्षीय युवती से दुष्कर्म करता रहा। रविवार के दिन पीड़िता ने परिजनों को जानकारी दी। इसके बाद परिवार के साथ सिवनी मालवा थाने में शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी अनूप सिंह उइके के अनुसार, युवती की शिकायत पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी अनुराग नागले निवासी हरदा के विरुद्ध मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी।

डर के कारण वह अब तक चुप थी और परिवार को कुछ नहीं बता पाई पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है फिलाल फरार है।

पद्मावती धाम कॉलोनी में बनेगा निमाड़ का एकमात्र पद्मावती मंदिर

खंडवा ■ निसं

खंडवा इंदौर इच्छापुर राजमार्ग पर खंडवा रोड पर स्थित पद्मावती धाम कॉलोनी में क्षेत्र का पहला और एकमात्र पद्मावती माता का मंदिर बनने जा रहा है। सोमवार को इस मंदिर का भूमिपूजन किया गया। बालाजी ग्रुप के संस्थापक और समाजसेवी कॉलोनाइजर रितेश गोयल ने बताया कि उनकी छ: गांव स्थित कॉलोनी दिव्य बालाजी नगर में 81 फिट ऊंची बालाजी भगवान की प्रतिमा का निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में है। जिसके लिए गर्भ गृह की मूर्तियां तिरुपति में बन रही हैं, जबकि 81 फिट ऊंची मूर्ति का निर्माण इंदौर में चल रहा है। दोनों करीब दो महीने में बनकर तैयार हो जाएगी। इसी को ध्यान में रखते हुए पूरे क्षेत्र को एक तीर्थ क्षेत्र और व्यावसायिक स्थल बनाने की योजना तैयार करते हुए दिव्य बालाजी नगर से ही जुड़ी हुई नवीन कॉलोनी पद्मावती धाम में माता पद्मावती का मंदिर निर्माण की रूपरेखा तैयार की गई, एवं मंदिर का भूमिपूजन किया गया।

ग्राम बी जमानी में आनंद उत्सव का आयोजन

सिवनी मालवा ■ निसं

ग्राम बी जमानी के शासकीय स्कूल में आनंद उत्सव आयोजित किया गया। जिसमें जीवन में आनंद की अनुभूति हो ।- प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतो में आनंद उत्सव मनाया जा रहा है सोमवार को ग्राम बी जमानी मेंआनंद उत्सव के मुख्य अतिथि राम रघुवंशी जनपद उपाध्यक्ष की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्राचार्य अशोक साहू ने बताया कि आनंद उत्सव कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत बी जमानी में हुआ । जिसमें ,ग्राम पंचायत पिपलिया कला , महुआढाना,ग्राम एवं ग्राम पंचायत बी जमानी ग्राम पंचायतें शामिल हुई।

कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूली बच्चों को चम्मच दौड़ , कबड्डी,खो, खो एवं क्रिकेट खिलाया गया ।साथ ही बच्चों को प्रमाण पत्र,मेडल ,शील्ड, वितरित की गई । कार्यक्रम में उपस्थित रहे , सम्मिलित ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव सहायक सचिव उप सरपंच शिक्षक शिक्षिकाएं सहित स्कूली बच्चों सहित ग्रामीण जन मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत कथा में छठवें दिन कृष्ण और रुक्मणी विवाह प्रसंग सुन भाव विभोर हुए श्रद्धालु

हमारा संकल्प कपट रहित हे तो प्रभु उसे निश्चित रूप से पूरा करेंगे- पंडित रमाकांत मिश्रा

भोपाल ■ निसं

करारिया फार्म स्थित इंडस स्टेट कालोनी के चिल्ड्रन पार्क में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन पंडित रमाकांत मिश्रा जी महाराज ने श्री कृष्ण रुक्मणी विवाह के प्रसंग का सुंदर वर्णन किया। इस अवसर पर व्यास पीठ से पंडित रमाकांत मिश्रा ने रास पंच अध्याय का वर्णन करते हुए कहा कि महारास में पांच अध्याय हैं। उनमें गाए जाने वाले पंच गीत भागवत के पंच प्राण हैं। जो भी ठाकुरजी के इन पांच गीतों को भाव से गाता है, वह भव पार हो जाता है। उन्हें वृंदावन की भक्ति सहज प्राप्त हो जाती है। श्री कृष्ण रुक्मणी विवाह के प्रसंग का संगीतमय कथा का श्रवण कराया गया। कथा में बताया कि उज्जैन के संदीपन आश्रम में विद्या अध्ययन किया,भोमासुर का उद्धार किया।

कथावाचक पंडित रमाकांत मिश्रा महाराज ने कहा कि महारास में भगवान श्रीकृष्ण ने बांसुरी बजाकर गोपियों का आह्वान किया और महारास लीला द्वारा ही जीवात्मा का परमात्मा से मिलन हुआ।भगवान श्रीकृष्ण रुक्मणी के विवाह की झांकी ने सभी को खूब आनंदित किया। रुक्मणी विवाह के आयोजन ने श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान कथा मंडप में विवाह का प्रसंग आते ही चारों तरफ से श्रीकृष्ण-रुक्मणी पर जमकर फूलों की बरसात हुई।

कथावाचक पंडित रमाकांत जी ने श्रीमद्भागवत कथा के महत्व को बताते हुए कहा कि जो भक्त प्रेमी कृष्ण-रुक्मणी के विवाह उत्सव में शामिल होते हैं उनकी वैवाहिक समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो जाती है। कथा वाचक ने कहा कि जीव परमात्मा का अंश है। इसलिए जीव के अंदर अपार शक्ति रहती है। यदि कोई कमी रहती है, तो वह मात्र संकल्प की होती है। संकल्प एवं कपट रहित होने से प्रभु उसे निश्चित रूप से पूरा करेंगे,

भगवान श्रीकृष्ण के विवाह प्रसंग को सुनाते हुए बताया कि भगवान श्रीकृष्ण का प्रथम विवाह विदर्भ देश के राजा की पुत्री रुक्मणि के साथ संपन्न हुआ। पंडित रमाकांत मिश्रा जी ने भगवान शंकर का रासलीला में शामिल होने का विस्तार से वर्णन किया। इस अवसर पर इंडस स्टेट कल्याण समिति के अध्यक्ष नानकचंदानी,सचिव सी .डी तिवारी,सीएम तिवारी,नरेंद्र मालवीय, बी के बगैया,विजय सोलंकी, एस के गोस्वामी, ओ एन मिश्रा,जी पी बिदुआ आदि ने व्यास पीठ की पूजा अर्चना की ।

भोपाल । महू में राहुल गांधी की जय बापू, जय भीम, जय संविधान यात्रा को सफल बनाने के लिए सांची में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक सह प्रभारी अब्दुल नफीस द्वारा ली गई। सोमवार को मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव और रायसेन सांची के सह प्रभारी अब्दुल नफीस ने ब्लॉकों के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक ली जिसमे बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

काम करते समय करंट लगने से गई इलेक्ट्रिशियन की जान

भोपाल। गांधी नगर थाना इलाके में बिजली का काम करते समय एक इलेक्ट्रिशियन युवक की करंट लगने से मौत हो गई। थाना पुलिस ने बताया कि मूल रुप से छतरपूर के धर्मपुरा गॉव के रहने वाले राजेंद्र विश्वकर्मा पिता वृंदावन (39) करीब 6 साल पहले रोजगार की तलाश में भोपाल आये थे। यहॉ गॉधी नगर में परिवार के साथ रहते हुए वह लालघाटी स्थित निजी अस्पताल में इलेक्ट्रिशियन की नौकरी कर रहे थे। परिवार में पत्नि सहित इकलौता बेटा कृष्णा है। रविवार देर रात करीब नौ बजे वह अपने एक रिश्तेदार के साथ टीवी का टूटा हुआ तार ठीक कर रहे थे। उन्होनें तार को साकेट में लगाकर स्विच ऑन कर दिया।

मेले के माध्यम से दिया भारतीय संस्कृति और कला का संदेश

भोपाल। वीर महिला मंडल लाल मंदिर 1100 क्वाटर के तत्वाधान में भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत संक्रांत मेला लगाया। मेले का शुभारंभ सभी के मंगल मय जीवन की कामना के साथ मंगलाचरण कर किया गया। संयोजिका आकांक्षा मनोज जैन ने बताया कि वर्तमान समय में बढ़ते फास्ट फूड कल्चर के कारण भारतीय भोजन संस्कृति से सभी दूर हो रहे हैं। मेले में घर के बने शुद्ध व्यंजन के स्टॉल में लोगों को अनूठा जायका मिला। महिला सदस्यों ने अपनी -अपनी कला का प्रस्तुतीकरण गीत, संगीत और भजन के माध्यम से दिया।

खून से चित्र बनाकर दी ट्रम्प को शुभकामनाएं

भोपाल। राजधानी भोपाल में सोमवार को सोशल एक्टिविस्ट डॉ. महेश यादव (अमन गाँधी) ने समता चौक न्यू मार्केट भोपाल में अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का चित्र अपने खून से बनाकर शुभकामनायें दी और साथ ही तिब्बत को चीन से आज़ादी दिलाने व विश्वशांति स्थापित करने की दिशा में ठोस एवं महत्वपूर्ण प्रयास करने की अपील की और चीन को आतंकवादी देश घोषित करने का आग्रह किया हैं। डॉ यादव ने कहा अमेरिका और भारत दोनों लोकतान्त्रिक देश है जिनकी मित्रता की अनुबंध की मोहताज नहीं हैं, आज जरुरत हैं दोनों देश मिलकर दुनियाँ की शान्ति और लोकतान्त्रिक मूल्यों की रक्षा करें।

सहकारिता के दैनिक वेतन भोगी करेंगे आंदोलन

भोपाल। स्थाई कर्मी योजना का लाभ देने की मांग को लेकर सहकारिता विभाग के वाहन चालक, दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी मुख्यालय कार्यालय सहकारिता विभाग विंध्याचल भवन के समक्ष आंदोलन करेंगे। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि मप्र शासन वर्ष 2016 में आदेश जारी करके प्रदेश के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थाई कर्मी योजना का लाभ देने का निर्णय लिया था लेकिन सहकारिता विभाग में आदेश के 8 साल बाद भी वाहन चालक दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को स्थाई कर्मी योजना का लाभ नहीं दिया गया है।

महापौर राय ने विभिन्न क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए दिए निर्देश

अभियान चलाकर नालियों, गलियों, सड़कों की बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करें

भोपाल ■ निसं

महापौर श्रीमती मालती राय ने निर्देशित किया है कि मुख्य मार्गों एवं बाजार में लगने वाले जाम से निजात पाने और सुगम यातायात एवं स्वच्छता के दृष्टिगत व्यापारी अपनी दुकान का सामान निर्धारित सीमा के भीतर ही रखें तथा सड़क पर खड़े होने वाले फल, सब्जी, फुल्की, चाट आदि के ठेलों को व्यवस्थित करें। महापौर श्रीमती राय ने बैरागढ़ फायर बिग्रेड के सामने बंद पड़े फाउंटेन को चालू करने, शहीद हेमू कालानी खेल मैदान में अस्थाई पार्किंग की व्यवस्था करने, मुख्य मार्ग पर स्थित विद्युत ट्रांसफार्मरों को शिफ्ट कराने, सुलभ जनसुविधा केन्द्र के आसपास सफाई कराने, क्षतिग्रस्त चेम्बर पर ढक्कन लगाने, नाला-नालियों, सड़कों, गलियों की बेहतर साफ-सफाई करने हेतु टीम बनाकर अभियान चलाने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती राय ने कार्य में लापरवाही बरतने वाले वार्ड क्रमांक 04 के दरोगा एवं सुपरवाइजर को बदलने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री देवेन्द्र सिंह चौहान, महापौर परिषद के सदस्य श्री आर.के. सिंह बघेल, श्री राजेश हिंगोरानी, पार्षद श्री अशोक मारन सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

महापौर श्रीमती मालती राय ने सोमवार को संत हिरदाराम नगर के मुख्य मार्ग, बाजार सहित वार्ड क्रमांक 04 के विभिन्न क्षेत्रों में साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया और स्वच्छता संबंधी कार्यों एवं यातायात व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, अतिक्रमण आदि के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की साथ ही स्थानीय नागरिकों से चर्चा भी की। महापौर श्रीमती राय को स्थानीय नागरिकों ने अवगत कराया कि क्षेत्र में वाहनों की पार्किंग की बड़ी समस्या है साथ ही दुकानदारों द्वारा दुकान का सामान सड़क पर रखने, सड़क पर ठेले आदि खड़े होने के कारण हमेशा ट्राफिक जाम की स्थिति बनी रहती है।

महापौर श्रीमती राय ने शहीद हेमू कालानी खेल मैदान में अस्थाई पार्किंग व्यवस्था करने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए साथ ही साथ ही खेल मैदान की सुरक्षा के दृष्टिगत वाहनों को व्यवस्थित ढंग से पार्क कराने हेतु भी निर्देशित किया। महापौर श्रीमती राय ने सुगम यातायात व्यवस्था के दृष्टिगत सब्जी वाले ठेलों को सब्जी मार्केट में, फल वालों को सिविल अस्पताल के सामने व फुल्की, चाट आदि के विक्रेताओं को अन्यत्र शिफ्ट करने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती राय ने निर्मल टेक्सटाइल के सामने लगे विद्युत ट्रांसफार्मर को शिफ्ट करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती राय ने दुकानों के बाहर सड़क पर पीली लाईन बनाने के साथ ही दुकानदारों को एनाउंसमेंट के माध्यम से हिदायत देने के निर्देश दिए जिससे कोई भी दुकानदार पीली लाईन के बाहर अपना सामान न रखें और नियमों का पालन न करने वाले दुकानदारों के विरूद्ध चालानी कार्यवाही करें।

महापौर श्रीमती मालती राय ने सुलभ जनसुविधा केन्द्र का निरीक्षण किया और बेहतर साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती राय ने झरनेश्वर नागरिक सहकारी बैंक के सामने नाली में गंदगी पाये जाने, चेम्बर पर टूटी हुई फर्शी पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए पर्याप्त साफ-सफाई करवाने और चेम्बर पर ढक्कन लगाने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती राय ने स्थानीय नागरिकों की शिकायत पर वार्ड क्रमांक 04 के दरोगा एवं सुपरवाइजर द्वारा फोन रिसीव न करने व कार्य के प्रति उदासीनता बरतने पर दरोगा एवं सुपरवाइजर को बदलने के निर्देश दिए। महापौर श्रीमती राय ने शराब दुकान के पास स्थित दुकान से सिंगल यूज प्लास्टिक एवं डिस्पोजल अपने समक्ष ही जप्त करवाये। महापौर श्रीमती राय ने बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था के दृष्टिगत टीम बनाकर द्वितीय पाली में वार्डवार अभियान चलाकर सफाई कराने के निर्देश दिए।

बीएमएचआरसी की फिजियोथेरेपिस्ट डॉ नेहल शाह ने

प्रतिष्ठित आईसीएमआर हेल्थ कम्युनिकेशन कोर्स में बेस्ट पोस्टर अवॉर्ड जीता

भोपाल ■ निसं

भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) की फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. नेहल शाह को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के हेल्थ कम्युनिकेशन कोर्स (आईएचसीसी) 2024-25 के अंतर्गत एक ग्रुप गतिविधि में बेस्ट पोस्टर अवॉर्ड प्राप्त हुआ है। उन्होंने यह पोस्टर अपने प्रोजेक्ट ग्रामीण क्षेत्रों में किशोरियों को एनीमिया से मुक्ति विषय पर तैयार किया था। इस प्रतिष्ठित छह महीने के पाठ्यक्रम का आयोजन आईसीएमआर द्वारा माइका के सेंटर फॉर डेवलपमेंट मैनेजमेंट एंड कम्युनिकेशन (सीडीएमसी) और ग्लोबल हेल्थ स्ट्रैटेजीज (जीएचएस) के सहयोग से किया गया। बीएमएचआरसी द्वारा इस प्रतिष्ठित कोर्स के लिए पांच डॉक्टरों डॉ. हन्नी गुलवानी, प्रोफेसर, पैथोलॉजी विभाग, डॉ. रचिता चंसौरिया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, रेडियोलॉजी विभाग, डॉ. संजुक्ता घोष, सहायक प्रोफेसर, मनोरोग विभाग,डॉ. गौरव आचार्य, एसोसिएट प्रोफेसर, एनेस्थिसिया विभाग व डॉ नेहल शाह, फिजियोथेरेपिस्ट का चयन हुआ था। बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ मनीषा श्रीवास्तव व अन्य सहकर्मियों ने डॉ नेहल शाह व अन्य प्रतिभागियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

कोर्स के बारे में: जुलाई 2024 में शुरू हुए आईएचसीसी का उद्देश्य चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में हुए उन्नत शोध को जन सामान्य तक सरल एवं प्रभावपूर्ण तरीकों से पहुंचना है। आम तौर पर वैज्ञानिकों एवं वैज्ञानिक विश्लेषण की भाषा कठिन होती है जिससे आम लोगों को समझने में कठिनाई होती है और कई बार भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। आईसीएमआर के स्वास्थ्य संचार पाठ्यक्रम का उद्देश्य चिकित्सा विज्ञान से जुड़े पेशेवरों को उन्नत कम्युनिकेशन स्किल सिखाना एवं उन्हें स्वास्थ्य संचार कौशल से सशक्त बनाना है।

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

विभिन्न योजनाओं में लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण करें - संभागायुक्त

भोपाल ■ निसं

समाधान ऑनलाइन, सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों और विभिन्न योजनाओं के लंबित प्रकरणों का शीघ्र संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें। उक्ताशय के निर्देश संभागायुक्त संजीव सिंह ने सोमवार को संभागायुक्त कार्यालय के समकक्ष में समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक के दौरान दिए। बैठक में संयुक्त कमिश्नर विनोद यादव, राजस्व उपायुक्त श्रीमती किरण गुप्ता एवं सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में समय-सीमा अंकित पत्रों का निराकरण करने तथा आगामी बैठक में प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। संभागायुक्त सिंह ने मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान में जिलेवार ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की प्रगति की समीक्षा की। श्री सिंह ने लंबित योजनवार आवेदनों की समीक्षा कर हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को प्रदान करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने पशु बीमा संबंधी प्रकरणों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि बीमा संबंधी स्वीकृत आवेदनों के निस्तारण एवं बीमा दावों की राशि प्रदान पात्रतानुसार प्रदान करें।

श्री सिंह ने समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि किसानों को फसल कटाई के पश्चात पराली न जलाने हेतु जागरूक करने एवं उससे होने वाली दुष्परिणामों से अवगत कराने हेतु निर्देशित किया। श्री सिंह ने भारत सरकार द्वारा 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन निक्षय अभियान हेतु भोपाल संभाग अंतर्गत सीहोर एवं विदिशा जिलों द्वारा किए गए स्क्रीनिंग की प्रगति जानी एवं 100 दिवसीय इस अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए।

अवैध रूप से पशु पालन कर गंदगी फैलाने पर निगम ने वसूला स्पॉट फाईन

भोपाल। नगर निगम द्वारा शहर की स्वच्छता एवं पर्यावरण को प्रभावित करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध स्पॉट फाईन की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के जोन क्र. 15 के अमले ने सोमवार को जोन के अंतर्गत आने वाले इन्द्रपुरी क्षेत्र में रहवासी क्षेत्र में शेड बनाकर अवैध रूप से पशु पालन करने व गंदगी फैलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 05 हजार रुपये का स्पॉट फाईन वसूला साथ ही सड़क किनारे फैंके गए सी.एण्ड.डी वेस्ट को उठवाया और संबंधित व्यक्ति से 01 हजार 500 रुपये का स्पॉट फाईन भी वसूला। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में जोन क्र. 15 के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने सोमवार को वार्ड क्र. 66 में साफ-सफाई व्यवस्था की मॉनीटरिंग हेतु निरीक्षण में पाया कि इन्द्रपुरी रहवासी क्षेत्र में शेड बनाकर अवैध रूप से पशु पालन किया गया है।

एम्स भोपाल की पीएचडी शोधार्थी ने तृतीय मप्र पीएचडी कोलोक्वियम में प्रथम पुरस्कार जीता

भोपाल ■ निसं

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता और ज्ञान-साझाकरण की संस्कृति को सदैव बढ़ावा देते रहते हैं। हाल ही में, संस्थान की पीएचडी शोधार्थी, सुश्री आकांक्षा भट्टाचार्य (जैव रसायन विभाग) ने तृतीय मध्य प्रदेश पीएचडी कोलोक्वियम में अपनी असाधारण शोध प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। यह प्रतिष्ठित आयोजन, जिसका विषय स्वास्थ्य, आयुष सहित, था, अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान (एआईजीजीपीए), भोपाल द्वारा आयोजित किया गया था। सुश्री भट्टाचार्य के अनुसंधान का मुख्य उद्देश्य मौखिक कैंसर की प्रारंभिक जांच के लिए गैर-आक्रामक लार जैवचिह्नकों का विकास करना है। यह नवीन शोध एम्स भोपाल के प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार की देखरेख में किया गया है।

पदोन्नति में आरक्षण का विवाद सुलझाने के लिए पहल करेगी सरकार

पदोन्नति में आरक्षण का विवाद सुलझाने फिर सुप्रीम कोर्ट जाएगी सरकार

भोपाल ■ निसं

मप्र में सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की पदोन्नतियां वर्ष 2016 से रुकी हुई हैं। मप्र लोक सेवा पदोन्नति नियम- 2002 को मप्र हाई कोर्ट द्वारा रद किए जाने के बाद से पदोन्नति में आरक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। प्रतिवर्ष हजारों अधिकारी- कर्मचारी बिना पदोन्नति के ही सेवानिवृत्त होते जा रहे हैं। पदोन्नति में आरक्षण का विवाद सुलझाने के लिए अब मोहन सरकार पहल करेगी। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले के शीघ्र निराकरण के लिए आवेदन दिया जाएगा।

नया नियम तैयार करने तत्कालीन गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा की अध्यक्षता में बनी समिति की रिपोर्ट का परीक्षण भी करवाया जाएगा। डा। मिश्रा ने सभी प्रभावित पक्षों से चर्चा करने के बाद रिपोर्ट तैयार की थी। प्रदेश में आरक्षित और अनारक्षित वर्ग को दी जाने वाली पदोन्नति को लेकर अनारक्षित (सामान्य) वर्ग के अधिकारियों-कर्मचारियों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी।

शिवराज सरकार की पहल: तत्कालीन शिवराज सरकार ने इस विवाद का हल निकालने के लिए तत्कालीन गृह मंत्री डा।नरोत्तम मिश्रा की अध्यक्षता में समिति बनाई थी। इसने अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी-कर्मचारी संघ और सामान्य, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों से चर्चा की और रिपोर्ट भी तैयार कर ली। हालांकि, इस पर कोई निर्णय नहीं हुआ। विधानसभा चुनाव को देखते हुए इस मामले को लंबित रखा गया।

2016 से रुकी हैं पदोन्नतियां

सुनवाई के बाद पदोन्नति नियम को निरस्त कर दिया। प्रदेश सरकार ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी पर यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए गए। तब से ही पदोन्नति पर रोक लगी है। कोर्ट के आदेश पर ही मई, 2016 के पहले हुई विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसा पर पदोन्नतियां दी गई हैं। पदोन्नति न मिलने से नाराज कर्मचारियों को साधने के लिए सरकार ने उच्च पद का प्रभार देने का रास्ता निकाला पर यह भी सभी विभागों में लागू नहीं हो पाया।

शीघ्र सुनवाई की मांग: वहीं, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज गोरकेल से नए नियम का प्रारूप भी तैयार कराया गया लेकिन बात आगे ही नहीं बढ़ी। अब सरकार कर्मचारियों से जुड़े अन्य विषयों के साथ-साथ पदोन्नति में आरक्षण के मुद्दे को सुलझाने की पहल कर रही है। सुप्रीम कोर्ट में यह आवेदन दिया जा रहा है कि मामले की शीघ्र सुनवाई करके निराकरण किया जाए। यदि नया नियम बनाया जाना है तो उसके संबंध में दिशा-निर्देश दे दिए जाएं ताकि सभी प्रभावित पक्षों से चर्चा करके पदोन्नति का समाधानकारक रास्ता निकाला जा सके।

राजधानी फिर हुई शर्मसार

20 साल के चाचा ने 7 साल की मासूम से की दरिंदगी

भोपाल ■ निसं

राजधानी के पिपलानी थाना इलाके में रिश्ते को शर्मसार किये जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहॉ 7 साल की मासूम भतीजी से उसके 20 साल के चाचा ने दरिंदगी की। आरोपी चाचा मासूम भतीजी को घुमाने के बहाने अपने साथ बाइक से जंगल ले गया। वहॉ आरोपी ने टॉर्च की रोशनी में उसके साथ घिनौनी हरकत की। उसी समय पैट्रौलिंग करते हुए पहुंचे पुलिस जवानों को बाइक खड़ी दिखी पास में देखने पर झाड़ियों में हलचल नजर आने पर पुलिस जवानों ने आरोपी को गलत काम करते हुए दबोच लिया और थाने लेकर पहुचें। थाने से बच्ची की मां को आरोपी देवर की करतूत की जानकारी लगी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार शाम बालिका को 7 साल की मासूम अपने घर पर खेल रही थी। उस समय जहॉ मां घरेलू काम में व्यस्त थी, वहीं उसके पिता काम पर गए हुए थे। उसी समय वहॉ पहुंचे मासूम के चाचा ने भाभी से कहा की भतीजी को साथ लेकर सब्जी लेने जा रहा है, उसे घुमाते हुए ले लाऊंगा। काफी देर बाद जब मासूम की मॉ ने देवर को फोन लगाया तब उसने कहा कि थोड़ी देर में वह घर पहुंच रहा है।

अनमोल वचन

प्रोध में मनुष्य अपने मन की बात नहीं कहता, वह केवल दूसरों का दिल दुखाना चाहता है।
प्रेमचंद

हमारी पहचान हमेशा हमारे द्वारा छोड़ी गई उपलब्धियों से होती है।
अमरीकी कहावत

सम्पादकीय

सबसे चर्चित अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह

दुनिया के देशों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह चर्चाओं में है। अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति पद की शपथ ली। इस शपथ ग्रहण समारोह के लिए जो चंदा एकत्रित किया गया उसका अपना एक अलग रिकॉर्ड बन गया है। सबसे ज्यादा चंदा पाने वाले डोनाल्ड ट्रंप पहले राष्ट्पति बने हैं, जिन्हें कारपोरेट कंपनियां ने दिल खोलकर चंदा दिया है। चंदा देने वाली कंपनियों में टेक्नोलॉजी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्रिप्टोकरंसी और कई बड़ी-बड़ी कंपनियां शामिल हैं। संभावना व्यक्त की जा रही है कि आयोजन के लिए 200 मिलियन डॉलर का चंदा शपथ ग्रहण समारोह के लिए डोनाल्ड ट्रंप एकत्रित कर सकते हैं। शपथ ग्रहण समारोह के लिए अमेरिका के इतिहास में अभी तक का यह सबसे बड़ा चंदा है। अमेरिका में राष्ट्पति को चंदा देने की कोई सीमा निर्धारित नहीं है। अमेरिका के राष्ट्पति को मिले हुए दान का खुलासा करना पड़ता है। शपथ ग्रहण समारोह में जो खर्च हो रहा है उससे ज्यादा चंदा एकत्रित हो जाने से अमेरिका में इस बात की चर्चा होने लगी है कि भविष्य में इस चंदे का उपयोग किस काम के लिए होगा। शनिवार की देर रात चीनी कंपनी टिकटॉक की सेवाएं बंद कर दी गई थीं। अमेरिका में टिकटॉक प्लेटफार्म से करोणों लोग जुड़े हुए हैं। अमेरिकी नागरिकों की कमाई का एक बड़ा जरिया टिकटॉक कंपनी थी। रविवार की देर रात इसको पुन: शुरू कर दिया गया। ट्रंप शपथ ग्रहण करने के बाद राष्ट्पति टिकटॉक कंपनी को 90 दिन तक शुरू करने का आदेश देने वाले हैं। उनके मौखिक आदेश पर टिकटॉक की सेवाएं शुरू कर दी गई हैं। माना जा रहा है कि इस कंपनी को एलन मस्क की कंपनी खरीद सकती है, क्योंकि अमेरिका के रोजगार से जुड़ा हुआ यह मामला है। अत: माना जा रहा है कि टिकटॉक जल्द ही नए नाम से अमेरिका में व्यवसाय शुरू कर देगी। ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह इसलिए भी चर्चाओं में है क्योंकि अमेरिका से जिन राष्ट्रों के साथ अच्छे संबंध नहीं हैं उन्हें भी शपथ ग्रहण समारोह का न्योता भेजा गया। यूरोपीय संघ और मित्र राष्ट्रों को उन्होंने चुन-चुन कर शपथ ग्रहण का न्योता भेजा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिन्होंने पिछले चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप का चुनाव प्रचार किया था अबकी बार ट्रम्प सरकार का नारा लगाया था उन्हें शपथ ग्रहण में नहीं बुलाया गया। यह अलग बात है कि भारत के विदेश मंत्री को अमेरिका का न्यौता आया और वह शपथ ग्रहण में भाग लेने के लिए गए हैं। मुकेश अंबानी और नीता अंबानी को शपथ ग्रहण समारोह का न्योता भेजा गया जिसको लेकर भारत में बड़ी चर्चा हो रही है। सारी दुनिया में शपथ ग्रहण समारोह की चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि एक तरफ शपथ ग्रहण समारोह के लिए सबसे ज्यादा चंदा इकट्ठा किया गया तो वहीं पुरानी सारी परंपराओं को तोड़कर शपथ ग्रहण समारोह के लिए अतिथियों को बुलाया गया। ट्रंप के राष्ट्पति बनने के बाद दुनिया के सभी देशों में इसकी क्रिया और प्रतिक्रिया हो रही है। डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्पति शपथ लेने के बाद 100 ऐसे आदेश जारी करने जा रहे हैं जिसका असर दुनिया के सभी देशों में पड़ सकता है। इसलिए शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही दुनिया के देशों में आशंकाएं भी बढ़ गई हैं। डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्पति बनने के बाद क्या करेंगे यह अलग बात है, लेकिन जिस तरह के भाषण राष्ट्पति बनने के पहले वो दे रहे थे, वही नीतियां यदि लागू की गईं तो बड़े पैमाने पर पूरी दुनिया में अफरा-तफरी मच सकती है। अमेरिका में घुसपैठ करके अवैध प्रवासी रह रहे हैं, उनमें सबसे ज्यादा चिंता है। कच्चे तेल के दाम, मैक्सिको बॉर्डर पर दीवार बनाने और रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध विराम एवं विस्तारवाद को लेकर उन्होंने जो बयान दिए थे उसको लेकर दुनिया भर के देशों में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। दरअसल ट्रंप ने कनाडा, ग्रीनलैंड और पनामा नहर के बाद मैक्सिको की खाड़ी पर भी एक बड़ा बयान दिया था, जिस पर लगातार चर्चाएं हो रही हैं। ट्रम्प कनाडा को 51वां राज्य बनाने का प्रस्ताव दोहराते रहे हैं, जिससे कनाडा में विवाद और अनिश्चितता की स्थिति उत्पन्न हो गई। यही नहीं उन्होंने ग्रीनलैंड को भी अमेरिकी राज्य बनाने की बात कही, इसके साथ ही ट्रंप ने मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करने की भी बात कही। ट्रंप ने फ्लोरिडा में दिए अपने एक भाषण के दौरान घोषणा की थी, हम बहुत जल्द बदलाव की घोषणा करने जा रहे हैं, क्योंकि वो तो हमारा ही है, हम मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर अमेरिका की खाड़ी करने जा रहे हैं। इसके साथ ही मजाकिया अंदाज में ट्रंप कहते हुए देखे गए कि अमेरिका की खाड़ी, वाह!..कितना सुंदर नाम है। इस तरह के बयानों से भी दुनियां के देशों में हड़कंप मंचा हुआ है। यह अलग बात है कि ट्रंप के बयान पर रिपब्लिकन सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन ने अपने ही अंदाज में कहा था, कि वो मैक्सिको की खाड़ी का नाम बदलने के लिए जल्दी ही विधेयक पेश करेंगी। इसके साथ ही टेलर ग्रीन ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट की और कहा, राष्ट्पति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शानदार शुरुआत हुई है। लेकिन सवाल यही है कि क्या किसी अंतरराष्ट्रीय महासागर, सागर या खाड़ी का नाम बदलना इतना आसान और संभव भी है क्या? कुल मिलाकर डोनाल्ड ट्रंप शपथ ग्रहण समारोह के पहले ही जिस तरह से चर्चाओं में आए हैं शपथ ग्रहण समारोह समर्थन में और विरोध में अमेरिका में जन समुदाय सड़कों पर उतरा है। इसे लेकर भविष्य में अमेरिका सहित दुनिया के देशों में क्या असर होगा यह देखने वाली बात होगी, लेकिन इसको लेकर दुनिया भर के देशों में तरह-तरह की आशंकाओं का दौर चलता ही रहने वाला है।

चिंतन-मनन

क्या है कृष्णकर्म?

ऐसा कोई कार्य न करें जो कृष्ण से संबंधित न हो। कोई भले ही कितने ही कर्म क्यों न करे, किंतु उसे उनके फल के प्रति आसक्ति नहीं होनी चाहिए। यह फल तो कृष्ण को ही अर्पित किया जाना चाहिए। उदाहरणार्थ, यदि कोई व्यापार में मस्त है, तो उसे इस व्यापार को कृष्णभावनामृत में परिणत करने के लिए, कृष्ण को अर्पित करना होगा। यदि कृष्ण व्यापार के स्वामी हैं, तो इसका लाभ भी उन्हें ही मिलना चाहिए। यदि किसी व्यापारी के पास करोड़ों रुपए की संपत्ति हो और यदि वह इसे कृष्ण को अर्पित करना चाहे, तो वह ऐसा कर सकता है। यही कृष्णकर्म है। अपनी इंद्रियतृप्ति के लिए विशाल भवन न बनवाकर, वह कृष्ण के लिए सुंदर मंदिर बनवा सकता है, कृष्ण का अर्चाविग्रह स्थापित कर सकता है। यह सब कृष्णकर्म है। मनुष्य को अपने कर्मफल में लिप्त नहीं होना चाहिए, अपितु इसे कृष्ण को अर्पित करके बची हुई वस्तु को प्रसाद रूप में ग्रहण करना चाहिए। यदि कोई कृष्ण के लिए विशाल भवन बनवा देता है और उसमें कृष्ण का अर्चाविग्रह स्थापित कराता है, तो उसमें उसे रहने की मनाही नहीं होती, लेकिन कृष्ण को ही इस भवन का स्वामी मानना चाहिए। यही कृष्णभावनामृत है। किंतु यदि कोई कृष्ण के लिए मंदिर नहीं बनवा सकता तो वह कृष्ण-मंदिर की सफाई में तो लग सकता है, यह भी कृष्णकर्म है। मत्परम: शब्द उस व्यक्ति के लिए आता है जो अपने जीवन का परमलक्ष्य, भगवान कृष्ण के परमधाम में उनकी संगति करना मानता है। ऐसा व्यक्ति चंद्र, सूर्य या स्वर्ग जैसे उच्चतर लोकों में अथवा ब्रह्मांड के उच्चतम स्थान ब्रह्मलोक तक में जाने का इच्छुक नहीं रहता। उसे इसकी तनिक भी इच्छा नहीं रहती। क्योंकि वह तो सर्वोच्च आध्यात्मिक लोक में जाना चाहता है, जिसे कृष्णलोक या गोलोक वृंदावन कहते हैं।

भगवान श्री राम ही अमृत हैं

उसी तरह हिंदू किंवदंतियों के चित्रण राजा नल ने विश्वकर्मा के महत्वपूर्ण तत्वों से पैदा हुए लंका नगरी और महान सेतु दोनों ही जल से संबंधित निर्माण हैं क्योंकि दोनों ही समुद्र पर बने थे। सेतु और लंका दोनों ही रामायण के दो मोती हैं। ये दोनों ही चमकदार मोती हैं, जिस पुस्तक का विषय उनके इर्द-गिर्द घूमता है, उससे यह आशा की जाती है कि यह भगवान श्री राम के आभूषणों की एक श्रृंखला की तरह चमकेगी।

संजय गोस्वामी

भगवान श्री राम की श्री रामब्धि शुक्ति मणि जिसमें श्री का अर्थ है देवी लक्ष्मी सार्वभौमिक शक्ति जो सीता के रूप में जन्मी थीं, पूर्व की उत्पत्ति समुद्र से हुई थी और बाद में पृथ्वी में पैदा हुई थी, राम ने स्वयं में शिव और विष्णु के महत्वपूर्ण बीजों को मिलाया, अब्धि का अर्थ है सागर और शुक्तिमणि जिसका अर्थ है मोती। तो यह समझा जा सकता है कि जब हम रामायण के महासागर को छूते हैं, तो हमें दो मोती मिलेंगे, एक महान सेतु (महान पुल) और दूसरा लंकानगर (लंका का शहर), दोनों का निर्माण महासागर पर किया गया था। विश्वकर्मा (दिव्य आर्कटिक), ब्रह्मा के निर्देश के तहत दिव्य शिल्पकार, निर्माता ने त्रिदेवों में से एक भगवान शिव के निवास के रूप में लंका शहर का निर्माण किया था। उसी तरह हिंदू किंवदंतियों के चित्रण राजा नल ने विश्वकर्मा के महत्वपूर्ण तत्वों से पैदा हुए लंका नगरी और महान सेतु दोनों ही जल से संबंधित निर्माण हैं क्योंकि दोनों ही समुद्र पर बने थे। सेतु और लंका दोनों ही रामायण के दो मोती हैं। ये दोनों ही चमकदार मोती हैं, जिस पुस्तक का विषय उनके इर्द-गिर्द घूमता है, उससे यह आशा की जाती है कि यह भगवान श्री राम के आभूषणों की एक श्रृंखला की तरह चमकेगी जो असंख्य सूर्यों का प्रकाश बिखेरती है, और बदले में हम पर प्रकाश डालती है और हमारे जीवन को उद्देश्यपूर्ण बनाती है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि रामचंरित्र मानस में प्रत्येक तथ्य विज्ञान और हमारी भारतीय संस्कृति के अनुरूप है। हिंदू किंवदंतियाँ, पौराणिक कथाएँ, प्राचीन इतिहास, सूर्य सिद्धांत और आधुनिक विज्ञान सभी इसके के निर्माण में शब्द को लाए गए हैं। पुस्तक श्रीमद्रामायण में वर्णित राम सेतु और लंका नगर के बारे में कुछ जानने के लिए, हमें कुछ संबंधित तथ्यों को जानना आवश्यक है। रामायण में वर्णित तथ्य वर्तमान के अनुरूप हैं। विज्ञान की हर शाखा रामायण से जुड़ी हुई है।

पुस्तक का उद्देश्य यह है की द्वीप में, भारत वर्ष (भारत की भूमि) स्थित है, कैसे हमारे देश को भारत खंड (भारत का महाद्वीप और भारत वर्ष, भारत की भूमि) के रूप में जाना जाता है और हमारे देश से अलग हुए द्वीपों के नाम क्या हैं। पुस्तक सूर्य सिद्धांत में पाई जाने वाली माप की योजन इकाइयों के बारे में मजबूत जानकारी देती है, जो दूरी मापने की वर्तमान इकाई के अनुसार इसकी गणना प्रदान करती है। रावण का लंका

नगर और वर्तमान श्रीलंका, जो भारत से अलग हो गए थे, दो दूर के द्वीप हैं और एक नहीं हैं। रामायण में राम के काल में केवल एक द्वीप लंका नगर का वर्णन मिलता है। भौगोलिक परिवर्तन के कारण लंका नगर की 90त्न भूमि समुद्र में डूब गई और शेष 10त्न भूमि सिंहल द्वीप में विलीन नहीं हुई। परिणामस्वरूप वर्तमान श्रीलंका के लोग कहते हैं कि उनकी भूमि (श्रीलंका) रामायण के अवशेषों से भरी हुई है, जिसका अर्थ है कि रामायण की लंका कुछ और नहीं बल्कि उनकी अपनी भूमि है, जिसमें महान सेतु का 90त्न हिस्सा समुद्र में डूबा हुआ है, शेष भाग वर्तमान में दानुष्कोटि (भारत में) और थलीमन्नार (श्रीलंका में) के बीच देखा जाता है। ऐसा माना जाता है कि महान सेतु का शेष भाग भी उत्तर पूर्व की ओर चला गया होगा। समय के साथ भौगोलिक परिवर्तन का एक विवरण। इस पुस्तक में हमारे देश पर शासन करने वाले सम्राटों और राजाओं के साथ-साथ आधुनिक काल में हमारे राज्य के राष्ट्पतियों, प्रधानमंत्रियों और राज्यपालों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। पुस्तक का उद्देश्य श्रीमद्रामायण और अन्य मानक कार्यों के साथ-साथ भागवत और विभिन्न पौराणिक कथाओं के आधार पर यह तथ्य स्थापित करना भी है कि रावण का लंकानगर और सिंहल (वर्तमान श्रीलंका) दो अलग-अलग संस्थाएँ हैं और जैसा कि सार्वभौमिक रूप से माना जाता है, रामेश्वरम (भारत में) और श्रीलंका के बीच राम सेतु का निर्माण किया गया था। भौगोलिक स्थिति मनुष्य अपनी माँ के गर्भ से बाहर निकलते ही पृथ्वी की गोद में प्रवेश करता है। जब तक वह जीवित रहता है, पृथ्वी उसका आश्रय बनी रहती है। ईश्वर ने उसके जन्म से पहले ही उसके पदार्थ की व्यवस्था कर दी है। इसलिए भौगोलिक स्थिति को मनुष्य की यात्रा का पहला चरण माना जाता है। जैविक स्थिति- पृथ्वी मनुष्य के स्थिर विकास का आधार है। वेदों और विज्ञान के अनुसार पृथ्वी पर 84 करोड़ जीव-जंतु मौजूद हैं। प्रकृति की अनियमितताओं और परिवर्तनशीलता के कारण कुछ जानवर विलुप्त हो गए हैं।अत: आप इधर उधर की बातें से अच्छा भगवान श्री राम का स्मरण करते रहें जैसे प्रभु के ध्यान में पूज्य हनुमान को शक्ति मिलती है जब जब राम को मन मंदिर में पुरी तरह बसा नहीं लेते तब तक शांति नहीं मिलेगी और आपकी ऊर्जा नष्ट होते रहेगी जिसमें काम, क्रोध, मद, लोभ, द्वेष आदि का अंत नहीं कर देते तब तक प्रभु राम को समझना मुश्किल होगा आप ऐ तो जाने ऐ तो मेरे प्रभु राम ही थे जिसके चरण स्पर्श से पत्थर की अहिल्या जीवित हो उठी तभी तो केवट भगवान श्री राम के चरणों को अपने अश्रु से ही धो डालता है भगवान श्री राम दया के सागर हैं और वही अमृत भी है जब तक ध्यान रहेगा आप सुरक्षित रहेंगे जैसे जो मछली मछुआरा के पैर तले आती है तो उसके जाल में नहीं फंसती है इसी तरह प्रभु श्री राम के चरणाविंद में रहते हैं तब तक आपका कोई कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता है भगवान श्री राम महाकुम्भ जैसे ही तो हैं जिसमें ना जाने अपने अंदर कितने अ अंशख्य साधु संतो को अपने विराट हृदय में समाहित किए है या फिर अथाह समुद्र जैसे जो उसमें एक बार डुबकी लगा देता है वो माया मोह के बंधन से मुक्त हो जाता है विशाल से विशाल कुंभ मेला में किसी कारण वश नहीं जा सके तो इसमें चिंता करने की बात नहीं है ऐ कुछ समय के लिए एक आध्यात्मिक वातावरण प्रदान करता है लेकिन प्रभु श्री राम तो अनन्त रूपों में व्याप्त है जो कभी भी किसी भी समय उपस्थित हो जायेंगे बस एक बार सच्चे मन से ध्यान कर के देखिये असली अमृत प्रभु राम के चरणों में छिपा है जो आपको शक्ति प्रदान करता है बस उन लोगों से दूर रहें जो मांस, मदिरा,का सेवन करते हैंऔर भोग विलास और क्रोधित हो जाते हैं संगत का प्रभाव पड़ता है जैसी संगती वैसी रंगत। अत: एकांत में रहकर प्रभु का ध्यान करते रहें आपको इससे अधिक ख़ुशी कभी नहीं मिलेगी जैसे भूगर्भीय परिस्थितियों में कुछ जानवर सूक्ष्मदर्शी से देखे जा सकते हैं और कुछ सूक्ष्मदर्शी से भी दिखाई नहीं देते। मनुष्य जन्म लेता है और अपने पिछले जन्मों के कर्मों का फल भोगता है। इसे कर्म का नियम कहते हैं। ब्रह्मा द्वारा ब्रह्मांड की रचना भी इसी में वर्णित है। जैविक स्थिति में मनुष्य का अपनी माँ के गर्भ से धरती पर आना दूसरी अवस्था मानी जाती है।

तम्बाकू एक धीमा जहर

यह एक मीठा और धीमा जहर है जो धीमे धीमे आदमी की जान लेता है । भले की सरकार को तम्बाकू के माध्यम से राजस्व के रूप में करोड़ों रूपये प्राप्त होता है । परन्तु दूसरी ओर इससे उत्पन्न रोगों के इलाज पर इससे ज्यादा खर्च किया जाता है । इसके सेवन से जीवनी शक्ति का ह्मस होता है । लाख बुराई होने और इसके नुकसान को जानने के बाद भी जब इसकी लत आदमी को लग जाती है तो उसको छुड़ा पाना मुश्किल हो जाता है । इस प्रकार से वह अपने आप को उसके हवाले करके अपनी ताकत धीरे धीरे खोते जाता है ।

रहीम खान

इसे विडंबना कहे कि जिस तम्बाकू के पेड के पत्तों को गधे भी नहीं खाते वह समझदार प्राणी कहे जाने वाले मानव का सबसे प्रिय खानी वाली एक वस्तु है । तम्बाकू आज के दौर में भारत में बच्चों, किशोर, युवा और वृद्ध सभी आयु वर्ग में खाई जाने वाली वस्तु है । तम्बाबू एक प्रकार की निकोटियाना प्रजाति के पेड के पत्तों को सूखा कर नशा करने की वस्तु बनाई जाती है । यह एक मीठा और धीमा जहर है जो धीमे धीमे आदमी की जान लेता है । भले की सरकार को तम्बाकू के माध्यम से राजस्व के रूप में करोड़ों रूपये प्राप्त होता है । परन्तु दूसरी ओर इससे उत्पन्न रोगों के इलाज पर इससे ज्यादा खर्च किया जाता है । इसके सेवन से जीवनी शक्ति का ह्मस होता है । लाख बुराई होने और इसके नुकसान को जानने के बाद भी जब इसकी लत आदमी को लग जाती है तो उसको छुड़ा पाना मुश्किल हो जाता है । इस प्रकार से वह अपने आप को उसके हवाले करके अपनी ताकत धीरे धीरे खोते जाता है । इसके शौकीन पुरूष महिला सभी है । भारत में प्रयोग की जाने वाली धुंआरहित तम्बाकू में तम्बाकू वाला पान/पान मसाला/तम्बाकू चूने और बूझे हुए चूने का मिश्रण/मैनपुरी तम्बाकू/मावा/तम्बाकू और बूझा हुआ चूना खैनी/ चबाने योग्य तम्बाकू/ सनस/मिश्री/ बज्जर/ गुडाखू/ क्रीमदार तम्बाकू पावडर/तम्बाकू युक्त पान इत्यादि। इसी के साथ तम्बाकू का उपयोग सिगरेट और बीड़ी के माध्यम से भी किया जात है । तम्बाकू ध्रूमपान एक ऐसा अभ्यास है जिसमें तम्बाकू को जलाया जाता और उसका धुंआ या तो चखा जाता है या फिर उसे सांस में खींचा जाता है। इसका चलन सन् 5000 ई. पूर्व से हुआ है। तम्बाकू सेवन का सबसे आम तरीका धूमपान है। प्रारंभिक अवस्था में धूमपान सुखद अनुभूतियां प्रदान करता है। सकारात्मक दृष्टिकोण के एक स्त्रोत के रूप में कार्य करता है बाद में इसके नकारात्मक प्रभाव शरीर में पड़ते है। धूमपान के अलावा दवा के रूप में भी तम्बाकू का उपयोग होता है। एक दर्द निवारक के तौर में यह कान के दर्द और दांत के दर्द और कभी कभी एक प्रलेप के रूप में भी प्रयोग किया जाता है । रेगिस्तान में रहने वाले भारतीय कहते है कि ध्रूमपान करने से जुकाम ठीक हो जाता है । वर्तमान समय बाजार में बड़ी संख्या में पाऊच बेचे जा रहे है । जिसमें किसी न किसी प्रकार से तम्बाकू का अंश बहुत ज्यादा है । 1980 के दशक में मिले वैज्ञानिक प्रमाण के अनुसार तम्बाकू कंपनियों ने दावा किया कि लापरवाही बरतने का कारण स्वाद पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव से पहले उनका अंजान होना था या पर्याप्त विश्वसनीयता का अभाव था । कि इसका प्रभाव किस प्रकार पड़ता है । धूमपान और तम्बाकू सेवन से बचने के लिये विश्व स्तर पर प्रचार अभियान सभी देशों की सरकारों द्वारा चलाया

जाता है । जिसके कारण इसके प्रति रूचि रखने वाले लोगों में इतनी कमी नहीं आ पाई जितनी सरकार अपेक्षा करती है । सिगरेट में पत्तों को जलाकर और वाष्पीकरण गैस को सांस से खींचकर प्राप्त किया जाने वाला आनंद शरीर के भीतर नये नये रोगों को जन्म देता है। क्योंकि यह प्रभावशाली ढंग से पदार्थो को खून में अवशोषित कर फेंफडों में कोशिकाओं के जरिये पहुंचाया जाता है । फेंफड़ों में लगभग 300 मिलियन रक्त कोशिका होती है । अधिक ध्रूमपान किये जाने से हृदय रोग की बीमारी भी उत्पन्न होती है । जो महिलाएं इसके सेवक करती है । उनके शरीर के भीतर भी अनेक प्रकार के रोग उत्पन्न होते है । तम्बाकू का पत्ता अर्थात निकोटिन एक ऐसा जहर है जो जबान पर तो आनंद प्रदान करता है परन्तु शरीर के भीतर जाने के बाद यह कई प्रकार के बीमारियों का रास्ता खोल देती है । ध्रूमपान की शुरूआत अधिकतर समय किशोर अवस्था से की जाती है। परन्तु बाद में यह इंसान को अपना गुलाम बना लेती है । तम्बाकू के बारे में अनेक सचेत करने वाले प्रचार प्रसार/संदेश सरकारों के तरफ से लगातार जारी किये जाते है परन्तु इसका कोई दूर दूर तक असर दिखाई नहीं पड़ता। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि तम्बाकू के कारण पैदा हुई बीमारियों और उससे हुई मौत के मामले ज्यादातर शिकार गरीब होते है। क्योंकि वह इसके दुष्परिणामों को गंभीरता से नहीं लेते । सन् 2004 में दुनिया भर में 58.8 मिलियन लोगों की मृत्यु का अनुमान लगाया गया। जिनमें 5.4 मिलियन के लिये तम्बाकू को जिम्मेदार ठकराया। उसी प्रकार 2007 में 4.9 मिलियन मौते तम्बाकू की वजह से होना बताया जाता है । तम्बाकू उपयोग के बारे में अनेक प्रकार की दुनिया भर में मान्यता व धारणाएं प्रचलित है। केंसर जैसा घातक रोग का जिम्मेदार भी तम्बाकू को माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि तम्बाकू इस जगह से निर्माता से मिला एक उपहार था और इसके कश से निकला धुंआ उसे व्यक्ति विशेष के विचारों और प्रार्थनाओं को स्वर्ग तक ले जाने में सक्षम है । तम्बाकू की हानि को इसी बात से समझा जा सकता है कि इसका जो पौधों होता है। उसके पत्तों को गधा जैसे मूर्ख प्राणी भी नहीं खाता। परन्तु बुद्धजीवी कहा जाने वाला मानव उसे खुशी खुशी खाते है।

ओल्ड एज गोल्ड चरितार्थ हुई

विनोद कुमार सिंह

ओल्ड एज गोल्ड की कहावत तो आप सभी ने सुनी होगी ।खास कर हमारे देश भारत में यह कहावत काफी ही प्रचलित है ।तभी तो भारत की पहचान सम्पूर्ण विश्व में सबसे अलग व विश्वनीय है ।आज हम आप को बता रहे है कि भारतीय रेलवें अपनी पुरानी यादों को सहेज व संजोय कर भविष्य में आने वाले पीड़ी के लिए संरक्षित व सुरक्षित रखने में पीछे नही है ।आप चौकिये मत –आज हम आप के समक्ष भारतीय रेल के उत्तर रेलवे का दिल्ली मंडल ने भी अपनी प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए एक सहराणीय कार्य किया है ।यह बात उस समय की है,जब विज्ञान इतना आधुनिक नही होता है ।ऐसे में विकाश कार्य में भारीभरम रेल की पटटी व अन्य सामान को एक स्थान से दुससे जगह कैसे ले जाता होगा । तो हम बता दें , रेल की निर्माण कार्य रेलवे लाईन व अन्य कार्य से मशीन व अन्य सयंत्र आदि कोइधर से उधर करने के लिए उस समय क्रेन होती थी,जिसे हाथ से चलाया जाता होगा ।इसका उदाहरण देखनें को मिला है ।भारतीय रेल के नार्दन रेलवे के दिल्ली मंडल नें 140 वर्ष पुरानी हस्त चालित क्रेन को अपनी कड़ी मेहनत व पूर्ण लगन से सफलता पूर्वक ठीक ही किया बल्कि भारतीय रेल की धरोहर के स्मृति चिन्ह में एक नयी जान फूंक दी है ।सर्व विदित रहे कि एली और मैक्लेन इंजीनियर, ग्लास्गो स्कॉटलैंड द्वारा सन 1885 में निर्मित इस क्रेन को पहली बार अवध और रोहिलखण्ड रेलवे,जिसे सन 1925 में ईस्ट इंडिया रेलवे में शामिल कर रेलवे कार्य में इस्तेमाल में लगाया था। इस संदर्भ में नार्दन रेलवे के युवा अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय (सी पी आर ओ0) के अनुसार भारतीय रेल अपनी यात्रियों की सेवा कर्त्तव्य का ना केवल पालन करती है बल्कि पुरानी विरासत को संभालकर संरक्षित करता है ।ताकि भविष्य में उस पर अनुसंसाधन हो सके ,उससे जुड़े हुए सभी सदस्यों को सम्मान किया जाय ।रेलवे की विरासत की श्रंखला में एक नई पहल की गई है । 140 वर्ष पुरानी इस क्रेन की पुन: बहाली हर सभी के लिए उल्लेखनीय उपलब्धि रही ।जिसे मात्र तीन दिन में पूरा किया गया ।आप को बता दे कि देश की राजधानी दिल्ली स्थित शकूरबस्ती रेलवे स्टेशन के निकट यह क्रेन बेहद ख़राब हालत में पड़ी थी। जिसके पहिये जमीन में दबे हुए थे और इसका बूम टूट कर मुड गया था। साथ ही इसके कई ज़रूरी कलपुर्जे भी नहीं थे ।सर्व विदित रहे स्टीम लोकोमोटिव शेड रेवाड़ी ने इस क्रेन को मरम्मत करने की चुनौती सहर्ष स्वीकार किया ।स्टीम लोकोमोटिव शेड रेवाड़ी व शकूरबस्ती स्थित कैरिज एवं वैगन स्टाफ की मदद ली ।बेकार व खो चुके कलपुर्जो को फिर से कुशल इंजीनियरों तकनीकी सहयोगी सहयोगी टीम बनाया गया । जिन्होने खराब बूम को ठीक किया गया और इसका मूल स्वरुप बहाल किया गया। इस बीच इंजीनियरिंग विभाग ने शकूरबस्ती ईस्ट केबिन के निकट एक पेडस्टल बनाने के लिए रात भर काम किया ।एक मोबाइल क्रेन की मदद से तैयार किये गए सामान को उठाकर पेडस्टल पर लगा दिया। इस क्रेन के रंग रोगन का काम एक दिन में ही पूरा कर लिया गया। इस प्रकार एक मृतप्राय धरोहर को जीवंत रूप दिया गया। पुन: जीर्णोद्वार की दस टन क्षमता वाली इस क्रेन का उद्घघाटन 16.01 .2025 को उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा द्वारा एक कार्यक्रम में किया गया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक सुखविंदर सिंह एवं अन्य गणमान्य द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में इंजीनियर एवं सहायक टीम के समर्पण एवं दक्षता को सराहा गया। उत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक अशोक कुमार वर्मा ने अपने उद्बोधन में रेल की विरासत को संरक्षित रखने में हमारे कर्मचारियों की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

(स्वतंत्र पत्रकार)

खास बात

दिल्ली विधानसभा चुनाव में मुफ्त की रेवड़ियां

इन दिनों दिल्ली की राजधानी मैं विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। इस विधानसभा चुनाव में मुफ्त की रेवड़ियों को लेकर बड़ी चर्चा हो रही है। आम आदमी पार्टी के साथ-साथ अब कांग्रेस और भाजपा भी मुफ्त की रेवडियों को लुटाने की होड़ लग गई है। वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया ना तो केंद्र सरकार को समझा पा रहे हैं। नाही राज्य सरकारों को समझा पा रहे हैं। मुफ्त की रेवड़ी बांटने का काम भाजपा ने शुरू किया था। अब यह रेवड़ी उनके ही गले मैं फांस की तरह गड रही है। दिल्ली के चुनाव में मुक्त बिजली मुफ्त पानी मुफ्त बस का पास अब कांग्रेस इनके साथ-साथ 500 का गैस सिलेंडर महिलाओं को 2500 जैसे कई लुभाने वादे लेकर सामने आ गई है।

किसानों का दिल्ली कूच, सरकार बेफिक्र

हरियाणा और पंजाब के शंभू बॉर्डर पर पिछले 11 महीने से किसान आंदोलन कर रहे हैं। केंद्र सरकार किसानो से बात नहीं कर रही है। तीन बार किसानों ने दिल्ली जाने की कोशिश की। हरियाणा सरकार ने आंसू गैस और पानी छोड़कर किसानों को आगे नहीं बढ़ने दिया। अब किसानों ने 21 जनवरी को दिल्ली कूच का ऐलान किया है ।किसान नेता डल्लेवाल की हालत बड़ी तेजी के साथ बिगड़ रही है। केंद्र सरकार बेफिक्र है ।सुप्रीम कोर्ट की बनाई हुई कमेटी की आड़ में केंद्र सरकार को लगता है। किसानों का आंदोलन ठंडा हो जाएगा। इस बार यह मामला ठंडा होता नजर नहीं आ रहा है। यदि डल्लेवाल को कुछ हो गया, तो किसान आंदोलन सारे देश में भड़क सकता है।

मोदी की साख से खेल रहा है, डॉलर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2013 के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरती कीमत को, उनकी गिरती हुई साख से जोड़कर देखते थे। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन हो गया है ।उनके निधन होने के बाद से डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत गिरती ही जा रही है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत 87 रुपए हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साख लगातार गिर रही है। महंगाई दर 5 फीसदी से ज्यादा हो गई है। विकास दर जो 6 ।4 फ़ीसदी बताई जा रही है ।वह कागजों की विकास दर है। वास्तविक विकास दर 4 फ़ीसदी से अधिक नहीं बताई जा रही है। असंगठित क्षेत्र के डाटा को शामिल किया जाएगा, तो विकास दर चार फीसदी से कम हो जाएगी। समय ने पलटा खाया।

सुप्रीम कोर्ट का निर्णय नहीं, चुनाव आयोग के नियम चलेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन की शिकायतों को लेकर जो फैसला दिया था। उसका पालन चुनाव आयोग नहीं कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय में स्पष्ट था। दूसरे और तीसरे नंबर के प्रत्याशी यदि ईवीएम की गिनती दोबारा करने की मांग करते हैं ।तो पैसा जमा कराकर चुनाव आयोग ईवीएम की मशीन और बीवीपेट की मतपर्चियों का मिलान कराएगा। मशीन जांचने की अनुमति भी देगा। हरियाणा विधानसभा चुनाव के पराजित प्रत्याशियों ने पैसे जमा किए और गिनती कराने की मांग की। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को रद्दी की टोकरी में फेंक दिया। चुनाव आयोग कह रहा है, हम दोबारा गिनती नहीं करेंगे,माक पोल कराएंगे। चुनाव आयोग ने अपना नया नियम बना दिया ।चुनाव आयोग के ऊपर केंद्र सरकार की कृपा दृष्टि है।

राशिफल

शुभ संवत 2081, शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, माघ कृष्ण पक्ष, हेमंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पश्चिम तिथि सप्तमी, मंगलवासरे, चित्रा नक्षत्र, घृत योगे, वल करणे, तुला की चंद्रमा, द्विपुस्कर योग 10.13 प्रथम मु. उग्र कर्म मुहूर्त तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, जिद्दी-हठी, उत्तम व्यापारी, ट्रान्सपोटर, बस-ट्रक मालिक, जंगल का ठेकेदार तथा आरा मशीन वाला, लकड़ी की चिराइ करने वाला होगा।

मेष राशि- समाज में प्रतिष्ठा-प्रभुत्व वृद्धि के साधन प्राप्त होंगे, कार्य व्यवस्था बनी रहेगी।

वृष राशि- आर्थिक योजना सफल हो, सफलता एवं सतर्कता एवं तटस्थता से चलकर लाभ प्राप्त करें।

मिथुन राशि- प्रत्येक कार्य में चिन्ता एवं परेशानी, व्यग्रता एवं असमंजस से कार्य रुके, ध्यान दें।

कर्क राशि- दैनिक कार्यगति मंद रहे, असमर्थता का वातावरण मन संदिग्ध रखे, कार्य करें।

सिंह राशि- तनाव, क्लेश व अशांति, व्यर्थ धन का व्यय तथा समय नष्ट होगा, ध्यान दें।

कन्या राशि- स्त्री शरीरिक सुख-भोग-ऐश्वर्य, सामाजिक कार्य में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

तुला राशि- विभ्रम-आरोप से अशांति तथा स्वास्थ्य नरम अवश्य रहेगा, स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि- आशानुकूल सफलता का हर्ष, कार्यगति उत्तम, चिन्ता निवृत्ति अवश्य होवेगी।

धनु राशि- इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, कार्यगति अनुकूल होवे तथा कार्य-निष्ठा बनी रहे।

मकर राशि- परिश्रम से कुछ सफलता के साधन जुटायें, मान-प्रतिष्ठा प्रभुत्व वृद्धि अवश्य ही होगी।

कुंभ राशि- परिश्रम से सफलता के कुछ साधन बनाये, कार्य सफल अवश्य होंगे, ध्यान दें।

मीन राशि- लेनदेन में हानि, दूसरों के कार्यों में समय नष्ट होगा, समय का ध्यान रखें।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

21 जनवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	08.07 बजे से
चंद्र	तुला में	मीन	09.40 बजे से
मंगल	कर्क में	मेष	11.10 बजे से
बुध	धनु में	वृष	12.50 बजे से
गुरु	वृष में	मिथुन	14.48 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	17.02 बजे से
शनि	कुंभ में	सिंह	19.18 बजे से
राहु	मीन में	कन्या	21.30 बजे से
केतु	कन्या में	तुला	23.40 बजे से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	वृश्चिक	01.55 ब.से
		धनु	04.11 बजे से
		मकर	06.16 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 21 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** माघ (दक्षिण भारत में पौष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 12.40 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** चित्रा 23.37 बजे को समाप्त। **योग** सुकर्मा 03.49 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 12.40 बजे तदनन्तर बालव 02.01 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.1 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 19° 54' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872231 **जूलियन दिन** 2460696.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रज्जब **तारीख** 20 **विशेष** स्वामी विवेकानन्द जयंती, कालाष्टमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

जयशंकर अमेरिका में मिले जापान और ऑस्ट्रेलिया के अपने समकक्षों से

वाशिंगटन। भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में जापान और ऑस्ट्रेलिया के समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। उन्होंने अपने समकक्षों के मुलाकात के यादगार पलों को एक्स हैंडल पर साझा किया। जयशंकर ने लिखा कि जापान के विदेशमंत्री ताकेशी इवाया से मिलकर अच्छा लगा। हमने द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा की। क्वाड से संबंधित घटनाक्रमों पर भी चर्चा की। उल्लेखनीय क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के पहले कार्यकाल की पहल है। इसमें ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका शामिल हैं।

भारतीय ज्ञान की समृद्धि उसके परस्पर जुड़ाव में निहित है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली ■ एजेंसी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को यहां भारतीय विद्या भवन में नंदलाल नुवाल इंडोलॉजी सेंटर की आधारशिला रखने के बाद कहा कि भारतीय ज्ञान की समृद्धि उसके परस्पर जुड़ाव में निहित है। उन्होंने कहा कि हम अलग-थलग देश नहीं हैं बल्कि हम पूरी दुनिया को एक मानते हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि यदि हम इंडोलॉजी को ध्यान में रखें तो आज हम जिन समस्याओं का सामना कर रहे हैं उनमें से अधिकांश का त्वरित आधार पर समाधान हो जाएगा। उन्होंने शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने अध्ययन के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण अपनाएं। भारतीय ज्ञान की समृद्धि इसकी परस्पर संबद्धता में निहित है। हम अलग-थलग देश नहीं हैं, हम पूरी दुनिया को एक मानते हैं, जी-20 की थीम एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य ने इसे स्थापित किया है। भारतीय ज्ञान की समृद्धि परस्पर संबद्धता, सभी के कल्याण में निहित है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह हास्यास्पद है कि अज्ञानी लोग अपने संकीर्ण दृष्टिकोण से हमें समावेशिता के बारे में जागरूक करने की कोशिश कर रहे हैं। देश के इतिहास का पहला मसौदा उपनिवेशवादियों के विकृत दृष्टिकोण से आया था। हजारों लोगों ने स्वतंत्रता संग्राम में योगदान दिया,

लेकिन केवल कुछ को ही बढ़ावा दिया गया। यहां तक कि स्वतंत्रता के बाद भी इसे जड़ें जमाने की अनुमति दी गई। उन्होंने कहा कि इससे हमारी ज्ञान प्रणाली का जैविक विकास बाधित हुआ।

उन्होंने कहा कि दुनिया की कोई भी सभ्यता इतने मिथकों और असत्य के अधीन नहीं रही जितनी हमारी सभ्यता रही है। यह अकल्पनीय अनुपात की त्रासदी और उपहास है। भारत की सामूहिक चेतना के 5000 साल के विकास को उलटने का प्रयास किया गया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमें औपनिवेशिक विरासत और मानसिकता से खुद को मुक्त करना होगा।

उन्होंने जोर देकर कहा कि वेदांत, जैन धर्म, बौद्ध धर्म और अन्य दार्शनिक विचारधाराओं ने हमेशा संवाद और सह-अस्तित्व को प्रोत्साहित किया है। उपराष्ट्रपति ने युवाओं से भारत के गणितीय योगदान पर गर्व करने का आग्रह करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि भारत की विरासत फले-फूले तथा इसके लिए इससे उपयुक्त समय नहीं हो सकता।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा की

नई दिल्ली। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कृषि मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कृषि मुद्दों पर समीक्षा बैठक की। बैठक में रबी की बुआई की प्रगति, मौसम की स्थिति, राष्ट्रीय कीट सर्वेक्षण प्रणाली (एनपीएसएस) के माध्यम से कीट सर्वेक्षण, कृषि उत्पादों के आयात और निर्यात सहित विपणन से संबंधित कई मुद्दे पर चर्चा हुई। चौहान ने कहा कि कृषि मुद्दों पर वह स्वयं साप्ताहिक बैठक करने के अलावा समय-समय पर कृषि मंत्रियों के स्तर पर राज्य सरकारों के साथ भी बैठकें करेंगे। उन्होंने अधिकारियों से भी कहा कि इन मुद्दों पर राज्य सरकारों के साथ लगातार जुड़े रहें, क्योंकि जमीनी स्तर पर मुद्दों को संबोधित करने के लिए राज्य सरकार के अधिकारियों की भागीदारी की आवश्यकता होगी। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि 17 जनवरी तक कुल बोया गया क्षेत्र 640 लाख हेक्टेयर है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 637.49 लाख हेक्टेयर की तुलना में 2.51 लाख हेक्टेयर अधिक है। समग्र फसल कवरेज और फसल की स्थिति पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर है। रबी टमाटर, प्याज और आलू (टीओपी) की बुआई चल रही है और आज सोमवार तक टीओपी फसलों की बुआई पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अधिक है। गेहूं (0.46 फीसदी), सरसों (0.14 फीसदी), सोयाबीन (0.25 फीसदी) की मंडी कीमतें सप्ताह-दर-सप्ताह बढ़ी हैं। जबकि अरहर (1.22 फीसदी), चावल (1.20 फीसदी) चना (0.67 फीसदी), आलू (6.34 फीसदी) और टमाटर (6.79 फीसदी) की मंडी कीमतों में सप्ताह-दर-सप्ताह गिरावट आई है। फिलहाल बाजार में गेहूं, चावल, चना, सरसों और तिल की कीमत न्यूनतम समर्थन मूल्य से ज्यादा मिल रही है।

इजराइली सेना के हटते ही हमास के लड़ाके आए सड़कों पर

यरुशलम। गाजा में बंधकों की रिहाई की शर्त पर हुए संघर्ष विराम समझाते के बाद इजराइल की सेना पीछे हटने लगी है। इससे लोग खुश हैं। इस बीच कई जगह आतंकी समूह हमास के बंदूकधारी नकाबपोश लड़ाके लड़ाके सड़कों पर आ गए। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, इजराइली अधिकारियों ने कहा कि उनकी सेना ने गाजा के कुछ हिस्सों से पीछे हटना शुरू कर दिया है। इसका फायदा उठाकर हमास ने फिर से नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश की। कई शहरों में नकाबपोश बंदूकधारी सड़कों पर उतर आए। इजराइली सेना ने कहा कि कई इजरायली बंधकों को कल गाजा में कैद से रिहा कर दिया गया और वे अपने परिवारों से मिल गए। अधिकारियों के अनुसार, इजराइल और हमास के बीच 42 दिनों का संघर्ष विराम समझौता प्रभावी हो गया। रिहा किए गए पहले बंधकों में तीन महिलाएं रोमी गोनेन, एमिली दामरी और डोरोन स्टीनब्रेचर शामिल हैं। इनके बाद इजराइल 90 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इस समझौते से इजराइली बंदियों और फिलिस्तीनी कैदियों के परिवारों को राहत मिली है और 15 महीने के विनाशकारी युद्ध की समाप्ति की उम्मीद जगी है।

अराकान आर्मी ने तीनों मालवाहक जहाजों को छोड़ा

ढाका। म्यांमार के विद्रोही गुट अराकान आर्मी ने तीनों मालवाहक जहाजों को सोमवार सुबह 10 बजे छोड़ दिया। अराकान आर्मी ने म्यांमार के यांगून से बांग्लादेश के टेकनाफ भूमि बंदरगाह आ रहे इन जहाजों को गुरुवार दोपहर तलाशी के बहाने रोक लिया था। इन जहाजों में 50,000 हजार बैग हैं। इनमें सूखी मछली, सुपारी, कॉफी और अन्य सामान है। अराकान आर्मी ने इन्हें नेफ नदी के मुहाने पर घेर लिया था। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, टेकनाफ लैंड पोर्ट के यूनाइटेड लैंड पोर्ट के प्रबंधक सैयद मोहम्मद अनवर हुसैन ने अराकान आर्मी के कब्जे से दो जहाजों की रिहाई की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि एक पहले ही बंदरगाह पहुंच चुका है। आज छोड़ गए दोनों जहाज नैख्योंगदिया में नफ नदी सीमा से टेकनाफ भूमि बंदरगाह की ओर बढ़ गए।

संतों के संकल्प से सम्पूर्ण विश्व का मार्गदर्शन करेगा भारत : अनिल ओक

महाकुम्भनगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह व्यवस्था प्रमुख अनिल ओक ने कहा कि पूज्य संतों के संकल्प व विचारों के आधार पर आने वाले समय में भारत सम्पूर्ण विश्व का मार्गदर्शन करेगा। जो जिस भाषा में समझेगा उसे उसी भाषा में समझायेंगे । दुनिया आज अंधेरी गली से निकल रही है। संत परम्परा को जानने के लिए विदेशों के लोग रिसर्च कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संत की कोई जाति नहीं होती है। तन समर्पित मन समर्पित और यह जीवन समर्पित। इसके बाद और क्या यही वास्तव में संत को संत बनाता है। यही संत की विशेषता है। अनिल लोक सोमवार को सेक्टर 17 में आ ?योजित संत समागम को संबोधित कर रहे थे। अनिल ओक ने कहा कि सनातन का आधार अध्यात्म है। संत आध्यात्मिकता के वाहक होते हैं। संत स्वयं के आचरण एवं व्यवहार से आध्यात्मिक जीवन की सीख देते हैं। संत देश एवं समाज के लिए जीते हैं। शक्ति, ज्ञान एवं वैभव का नहीं रहता। देश एवं समाज कैसे सुरक्षित रहे और हमेशा दूसरों का भला चाहते हैं।

अभा पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए स्पीकार ओम बिरला ने कहा

विधायी बैठकों की घटती संख्या चिंताजनक पीठासीन अधिकारी हल करने का करें प्रयास

पटना ■ एजेंसी

बिहार विधानसभा में चल रहे 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के दो दिवसीय सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधायी निकायों की बैठकों की घटती संख्या पर चिंता व्यक्त की। साथ ही उन्होंने पीठासीन अधिकारियों से इस मुद्दे को हल करने के लिए प्रयास करने का आग्रह किया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि विधानसभाओं की बैठकों की घटती संख्या हमारे लिए चिंता का विषय है। यह 1954 में एक चुनौती थी और यह आज भी जस की तस बनी हुई है। उन्होंने दिल्ली विधानसभा का उदाहरण देते हुए कहा कि दिल्ली विधानसभा ने अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में मात्र 74 बैठकें की हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने संसद और राज्य विधानसभाओं में योजनाबद्ध व्यवधानों की भी निंदा की और राजनीतिक दलों से सदन की गरिमा बनाए रखने के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने का आग्रह किया।

ओम बिरला ने कहा कि संविधान ने सहकारी संघवाद की अवधारणा को अपनाया है। उन्होंने कहा कि देश की अधिकांश विधानसभाएं कागज रहित और डिजिटल हो गई हैं, ताकि सभी बहसों को एक मंच पर लाया जा सके। वर्ष 2025 तक सभी चीजें एक मंच पर उपलब्ध होंगी। अब समय आ गया है कि अन्य लोकतांत्रिक निकायों जैसे पंचायत राज संस्थाओं, शहरी स्थानीय निकायों

और सहकारी समितियों को भी इसमें शामिल किया जाए और राज्य ऐसा कर सकते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभाओं को सार्थक और परिणामोन्मुखी चर्चाओं का स्थान होना चाहिए और इसके लिए सभी राजनीतिक दलों को एक साथ आकर अपने-अपने दलों के लिए आचार संहिता बनानी चाहिए, ताकि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद लोगों की व्यापक भलाई के लिए अच्छी मिसाल कायम की जा सके।

बिरला ने कहा कि सदनों की गरिमा उसके सदस्यों की गरिमा पर निर्भर करती है और इससे लोकतंत्र को मजबूती मिलती है। सदस्यों के लिए क्षमता निर्माण होना चाहिए।

कांग्रेस ने भारतीय संविधान के गौरव को किया कलंकितः केशव प्रसाद मौर्य

वाराणसी। भाजपा की ओर से चलाए जा रहे संविधान गौरव अभियान के तहत सोमवार को भाजपा जिला एवं महानगर की ओर से रोहनिया स्थित कार्यालय पर संविधान गौरव गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कांग्रेस ने भारतीय संविधान के गौरव को कलंकित किया है जबकि भाजपा सरकार में डॉक्टर अंबेडकर के योगदान को पूरा सम्मान मिला है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के योगदान को लगातार सम्मान दिया है। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसे संरक्षित रखा जाए। भाजपा सरकार में डॉक्टर अंबेडकर के जीवन से जुड़े पांच प्रमुख स्थलों की पहचान कर उन्हें पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया गया। इनमें शामिल डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जन्म स्थान महू मध्य प्रदेश को प्रमुख स्मारक के रूप में विकसित किया गया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने ऐप लॉन्च किया जो डॉक्टर अंबेडकर के नाम पर आधारित है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 1990 में भाजपा समर्थित सरकार ने भारत के कानूनी और सामाजिक ढांचे को आकार देने में उनकी अद्वितीय भूमिका को मान्यता देते हुए डॉक्टर अंबेडकर को प्रतिष्ठित भारत रत्न से सम्मानित किया। वहीं कांग्रेस ने सिर्फ संविधान में बदलाव ही किया है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस ने संविधान के तहत देश को चलाया होता तो आज अमेरिका जैसा देश पीछे होता। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान में अब तक 106 संशोधन किए गए हैं जिसमें से 75 संशोधन कांग्रेस शासन के दौरान किए गए हैं। जिससे यह दर्शाता है कि कांग्रेस ने राजनीतिक स्वार्थ के लिए बार-बार संविधान को बदला। कांग्रेस ने बार-बार अनुच्छेद 356 का उपयोग विपक्ष शासित राज्य सरकारों को बर्खास्त करने और केंद्रीय शासन लागू करने के लिए किया । जिसके तहत 88 बार राष्ट्रपति शासन लगाया गया। तिथियों का स्वागत कर क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार ने शोषण व वंचित समाज को असली न्याय दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने डॉक्टर अंबेडकर के लेखन और भाषणों को डिजिटलाइजेशन करने की पहल की है जिससे उनके विचारों और सिद्धांतों को अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सके। इस मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को संविधान की पुस्तक भेंट किया। इसके पहले उपमुख्यमंत्री डॉ केशव प्रसाद मौर्य ने दीप प्रज्वलित कर डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। तत्पश्चात वंदे मातरम गीत का प्रस्तुतीकरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री संजय सोनकर, धन्यवाद ज्ञापन जिला अध्यक्ष व एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा ने दिया। गोष्ठी में एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय, विधान परिषद सदस्य धर्मेंद्र राय, महापौर अशोक तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, पूर्व महापौर कौशलेंद्र सिंह, पूर्व विधायक सुरेंद्र नारायण सिंह, पूर्व विधायक शिव तपस्या पासवान, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी, संतोष सोलापुरकर, महानगर मीडिया प्रभारी किशोर सेठ, शैलेंद्र मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

सफाई कर्मचारी नहीं, स्वच्छता सेनानी हैं : मनोहर लाल

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री ने नगर निगम में सफाईकर्मियों को किया सम्मानित

प्रयागराज, 20 जनवरी (हि.स.)। केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि किसी भी शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सफाईकर्मी नींव का पत्थर होते हैं। आज पूरा विश्व दिव्य-भव्य और स्वच्छ महाकुम्भ देख पा रहा है तो इसका सर्वाधिक श्रेय स्वच्छता के वाहक सफाई कर्मचारियों को ही जाता है। ये सफाईकर्मी नहीं, बल्कि स्वच्छता सेनानी हैं। केंद्रीय मंत्री ने सोमवार को नगर निगम में सफाई कर्मचारियों को माला पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्हें किट और ट्रैक सूट वितरित किए। नगर विकास मंत्री और महापौर ने केन्द्रीय मंत्री को महाकुंम्भ का स्मृति चिह्न भेंट किया।

इस दौरान केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा मेला महाकुम्भ प्रयागराज में चल रहा है। इसके लिए प्रदेश सरकार ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा से लेकर हर सुविधा मुहैया करवाई है। इसमें नगर निगम का योगदान काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शहर में दुनिया भर से लोग आ रहे हैं, ऐसे में सफाई व्यवस्था बनाए रखना बड़ी चुनौती है। केन्द्रीय मंत्री ने नवनिर्मित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट कंट्रोल रूम और शहर की एआई मॉनिटरिंग सेल और सर्विस सेल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान

केंद्रीय मंत्री के जाने के बाद नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने महापौर और पार्षदों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि मौनी अमावस्या स्नान के दो दिन बाद तक यह व्यवस्था जारी रखी जाए। महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है कि मेला प्राधिकरण ने शहर की व्यवस्था के लिए निगम को 100 करोड़ की धनराशि दी है, जिसका उपयोग शहर की सफाई व्यवस्था और सौंदर्यीकरण के लिए किया गया है। बैठक में पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों के विकास को लेकर बात रखी। बैठक में उप सभापति और पार्षद सुनीता दरबारी, बबलू रघुवंशी, किरण देव जायसवाल, सुनीता चोपड़ा आदि पार्षदगण मौजूद रहे।

उत्तरी कोलंबिया में गुरिल्ला हिंसा, तीन दिन में 80 से अधिक लोगों की मौत

टीबू (कोलंबिया) ■ एजेंसी

संघर्षग्रस्त उत्तरी कोलंबिया में लड़खड़ाती शांति प्रक्रिया के बीच ताजा गुरिल्ला हिंसा में शुक्रवार से रविवार (तीन दिन) तक 80 से अधिक लोगों की जान चली गई। पूर्वोत्तर कैटाटुम्बो क्षेत्र में सशस्त्र समूह नेशनल लिबरेशन आर्मी (ईएलएन) के प्रतिद्वंद्वी समूह पर हमला करने के बाद हालात बिगड़ गए हैं। बैंकाक पोस्ट समाचार पत्र के अनुसार, नॉर्टे डी सैंटेंडर विभाग के गवर्नर विलियम विलामिजार ने कहा कि कैटाटुम्बो में भारी हिंसा हुई है। वेनेजुएला की सीमा के पास पहाड़ी कोकीन उत्पादक क्षेत्र के पांच नगर पालिका क्षेत्रों में सबसे अधिक लोग मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि हिंसा की ताजा शुरुआत में लगभग दो दर्जन लोग घायल हो गए और लगभग 5,000 लोग विस्थापित हो गए। इस बीच सेना ने कहा कि हालात संभालने के लिए 5,000 से अधिक सैनिकों को क्षेत्र में भेजा गया है। कोलंबिया का मार्क्सवादी क्रांतिकारी सशस्त्र बल कभी पश्चिमी गोलार्ध में सबसे बड़ा गुरिल्ला बल रहा है। इस बल ने आधी सदी से अधिक समय तक युद्ध लड़ा है।

कांच उद्योग भारत की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है

कोलकाता। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत के भविष्य की आर्थिक प्रगति में कांच उद्योग की भूमिका बेहद अहम है। उन्होंने कांच उद्योग के विकास के लिए शिक्षाविदों, अनुसंधान एवं विकास केंद्रों और निजी क्षेत्र के बीच बेहतर समन्वय और जागरुकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

वे कोलकाता में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांच कांग्रेस में शामिल हुए जिसका आयोजन सीएसआईआर-सेंट्रल ग्लास एंड सेरामिक रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा किया गया। मंत्री ने कहा कि कांच उद्योग में रीसाइक्लिंग क्षमता है, जो इसे स्थिरता के लिए आवश्यक बनाता है।

चीन में 2 लोगों को फांसी पर लटकाया

बीजिंग ■ एजेंसी

चीन ने पिछले साल नवंबर में दो अलग-अलग घातक हमलों में मौत की सजा पाए दो लोगों को फांसी दे दी। 62 वर्षीय फैन वेइकिउ को 11 नवंबर को झुहाई में एक खेल केंद्र के बाहर व्यायाम कर रहे लोगों के समूह पर जानबूझकर एसयूवी चढ़ाने का दोषी ठहराया गया था। इस हमले में 35 लोग मारे गए और 43 अन्य घायल हो गए थे। इस घटना ने सूचने देश को हिलाकर रख दिया था।

सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, इस घटना के कुछ दिनों बाद 16 नवंबर को 21 वर्षीय जू जियाजिन ने पूर्वी प्रांत जियांग्सू के एक कॉलेज में आठ लोगों की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। कालेज स्टूडेंट जू परीक्षा में फेल हो गया था और फैक्टरी इंटर्न के रूप में मिलने वाले कम मानदेय से भी नाराज था।

झुहाई की अदालत ने फैन को दोषी ठहराया था। अदालत ने जोर दिया था कि फैन के व्यवहार के लिए मौत के मामले में कानून की सबसे

कड़ी सजा जरूरी है। दिसंबर में यह मामला बीजिंग स्थित सुप्रीम पीपुल्स कोर्ट में पहुंचा। शीर्ष अदालत ने भी कहा था कि दोषी को कड़ी सजा दी जानी चाहिए। शिन्हुआ के मुताबिक, फांसी के तरीके को सार्वजनिक नहीं किया गया पर जू को फांसी से पहले अपने परिवार से मिलने की अनुमति दी गई।

सुप्रीम पीपुल्स कोर्ट के अध्यक्ष और मुख्य न्यायाधीश झांग जून ने गंभीर अपराधों के लिए सख्त और छोटे सामाजिक अपराधों के लिए अधिक उदार सजा का आग्रह किया है। चीन की कानून प्रवर्तन एजेंसियों की देखरेख करने वाले केंद्रीय राजनीतिक और कानूनी मामलों के आयोग के महासचिव यिन बाई ने वीभत्स घटनाओं को रोकने के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों का आह्वान किया है। यही नहीं, राष्ट्रपति शी जिनपिंग सहित शीर्ष नेता दुर्लभ मामलों में कठोरतम दंड की वकालत कर चुके हैं। शीर्ष अभियोजक यिंग योंग ने हाल की घटनाओं से लिए गए सबक के आधार पर इसी तरह के अपराधों को रोकने और जांच में सुधार लाने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

दो लोगों की फांसी की सजा पर सीएनएन ने भी खबर दी है। इसमें कहा गया कि चीन के अधिकांश सोशल मीडिया यूजर ने 62 वर्षीय फैन वेइकिउ और 21 वर्षीय जू जियाजिन को फांसी देने पर खुशी जताई है। इस पर एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा है कि चीन फांसी की कुल संख्या पर पारदर्शी जानकारी प्रदान नहीं करता है। माना जाता है कि चीन दुनिया का शीर्ष जल्लाद है। जहां हर साल हजारों लोगों को फांसी दी जाती है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए बोले

पुनर्चक्रण रणनीतियां बनाते समय ऑटोमोबाइल क्षेत्र प्रकृति अनुकूलन पर ध्यान दे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव नेसोमवारको कहा कि प्रकृति की तरह कोई भी पुनर्चक्रण नहीं कर सकता। पुनर्चक्रण रणनीतियों की योजना बनाते समय ऑटोमोबाइल क्षेत्र को प्रकृति अनुकूलन पर ध्यान देना चाहिए।

भूपेंद्र यादव सोमवार को नई दिल्ली में स्थाई सर्कुलरिटी पर सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करते हुए आर्थिक विकास को गति देने के लिए ऑटोमोटिव उद्योग की दोहरी जिम्मेदारी को रेखांकित किया। % नेचर पॉजिटिव रिसाइक्लिंग% थीम पर आयोजित इस सम्मेलन में ऑटोमोटिव उद्योग के प्रमुख हितधारकों ने सतत विकास और सर्कुलरिटी पर चर्चा की।

भूपेन्द्र यादव ने कहा कि देश यात्री वाहन बिक्री में वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। सर्कुलर अर्थव्यवस्था में बदलाव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए केन्द्रीय मंत्री ने सर्कुलरिटी के तीन प्रभावों पर बल दिया, जिसमें आर्थिक विकास, पर्यावरणीय स्थिरता, और सामाजिक प्रभाव शामिल है। केंद्रीय मंत्री ने सरकार में कर-सकने

की भावना पैदा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश केवल कचरे के प्रबंधन की बात नहीं कर रहा है बल्कि अपशिष्ट के मूल्य को उजागर करने और अपशिष्ट को धन में बदलने की बात कर रहा है।

उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में ऑटोमोटिव क्षेत्र की भूमिका पर जोर दिया, जिसमें एसडीजी 7 (सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा), एसडीजी 8 (सभ्य कार्य और आर्थिक विकास) और एसडीजी 9 (उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा) शामिल हैं। उन्होंने बैटरी चार्जिंग के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के महत्व पर भी जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करते हुए आर्थिक विकास को गति देने की ऑटोमोटिव उद्योग की दोहरी जिम्मेदारी को रेखांकित करते हुए अपने भाषण का समापन किया। उन्होंने वायु प्रदूषण से निपटने में वनरोपण के महत्व को रेखांकित करते हुए एक पेड़ मां के नाम अभियान जैसी पहलों में भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया।

सम्मेलन में ये रहे मौजूद

भूपेन्द्र यादव ने एसआईएएम रणनीति पत्र का भी अनावरण किया, जिसका शीर्षक था 'ऑटोमोबाइल उद्योग में सर्कुलर भविष्य की ओर अपशिष्ट प्रवाह विनियमन में विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) व्यवस्था का एकीकरण।' इस मौके पर एसआईएएम के कार्यकारी निदेशक प्रशांत के. बनर्जी और हीरो मोटो कॉर्प के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी विक्रम कस्बेकर भी मौजूद थे।

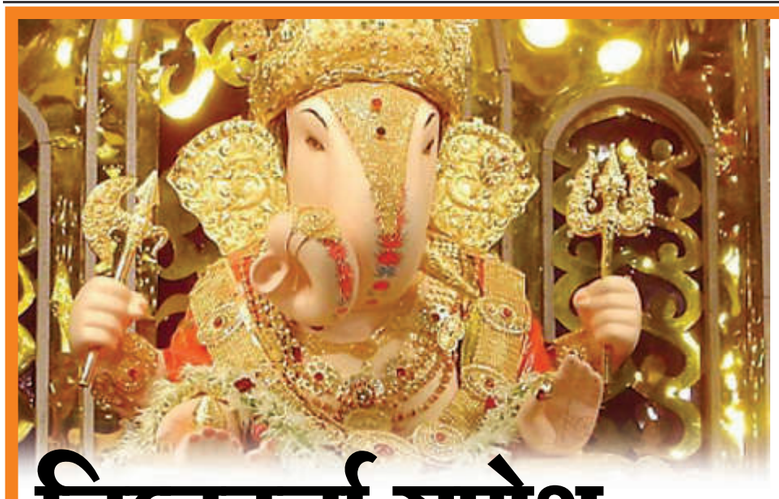

विघ्नहर्ता गणेश को ऐसे मनाएं

विघ्नहर्ता विनायक भगवान गणेश की पूजा यदि सच्चे मन से की जाए तो हर समस्या का समाधान संभव है। बुधवार भगवान गणेश का दिन होता है। बुधवार को गणेश की पूजा करें तो संतान, शिक्षा और भाग्य समृद्ध होता है। गणपति की उपासना से कुंडली के अशुभ योग भी खत्म हो जाते हैं। इसीलिए कलयुग में उन्हें विघ्नविनाशक के रूप में पूजा जाता है। श्रीगणेश जी की बुधवार को पूजा करने का विधान हमारे धर्मग्रंथों में मौजूद है।

बुधवार को प्रातःकाल में स्नानादि से निवृत होकर ताम्र पत्र के श्री गणेश यन्त्र को नमक, नींबू से अच्छे से साफ करें। यंत्र को शुद्ध जल से धोने के बाद पूजा स्थल पर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख कर के आसान पर विराजमान हो कर सामने श्री गणेश यन्त्र की स्थापना करें। आसान पर बैठने के बाद दांयी हथेली में जल ले कर आसान व भूमि पर जल छिड़कते हुए नीचे लिखे मंत्र को पढ़े....

ऊं अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोपि वा।
यः स्मरेत पुण्डरीकाक्षं स बाह्यभ्यन्तरः शुचिः।।

अब गणेश यंत्र को शुद्ध जल चढ़ाते हुए मंत्र बोले

गंगे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति ।
नर्मदे सिन्धु कावेरि जलऽस्मिन्सन्निधिं कुरु।।

यदि आप इस मंत्र की आराधना सच्चे मन से करते हैं तो आपकी मनोकामना जरूर पूरी होती है।

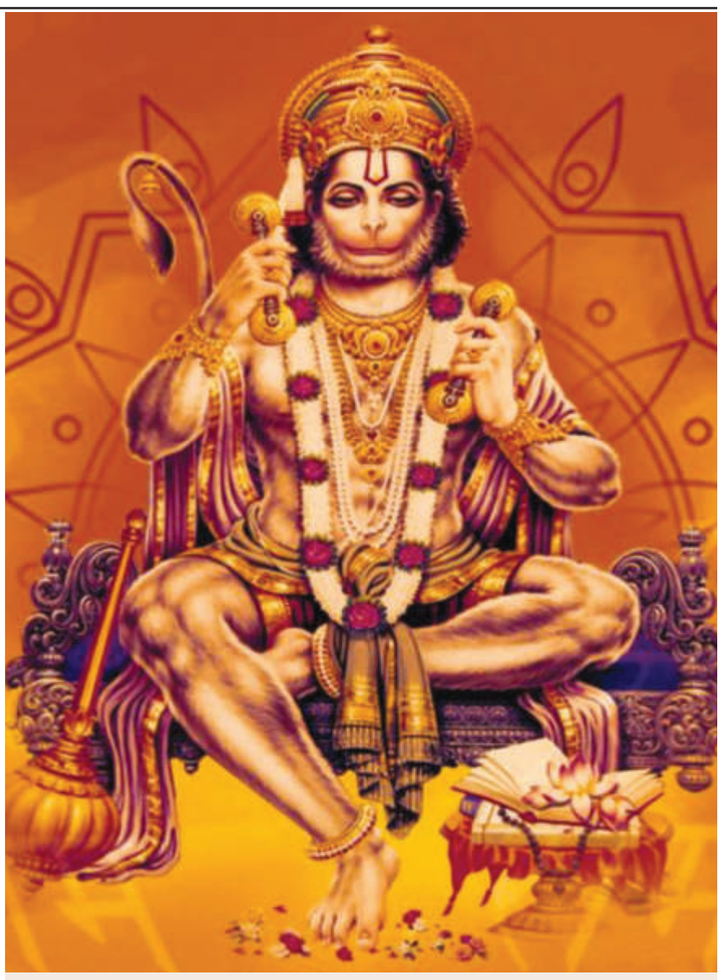

फलदायी होती हैं हनुमान चालीसा की ये चौपाइयां

हनुमानजी की स्तुति हनुमान चालीसा से हम सभी परिचित हैं। हनुमान चालीसा की रचना गोस्वामी तुलसीदास जी ने की थी। हिंदू धर्म ग्रंथों में उल्लेखित है कि बाल्यकाल में जब हनुमानजी ने सूर्य को मुंह में रख लिया तब सूर्य को मुक्त कराने के लिए देवराज इंद्र ने हनुमानजी पर शस्त्र से प्रहार किया। इसके बाद हनुमान जी मूर्छित हो गए। हनुमानजी के मूर्छित होने की बात जब वायु देव को पता चली तो काफी नाराज हुए। लेकिन जब सभी देवताओं को पता चला कि हनुमानजी भगवान शिव के रुद्र अवतार हैं, तब सभी देवताओं ने हनुमानजी को कई शक्तियां दीं। देवताओं ने जिन मंत्रों और हनुमानजी की विशेषताओं को बताते हुए उन्हें शक्ति प्रदान की थी, उन्हीं मंत्रों के सार को गोस्वामी तुलसीदास ने हनुमान चालीसा में वर्णित किया है। हनुमान चालीसा में मंत्र नहीं हैं लेकिन हनुमानजी की पराक्रम की विशेषताएं बताई गईं हैं। हनुमान चालीसा में ही ऐसी 5 चौपाईयां हैं, जिनका यदि नियमित सच्चे मन से वाचन किया जाए तो यह परम फलदायी सिद्ध होती हैं। हनुमान चालीसा का वाचन मंगलवार या शनिवार करना शुभ होता है। ध्यान रखें हनुमान चालीसा की इन चौपाइयों को पढ़ते समय उच्चारण की त्रुटि न करें।

भूत-पिशाच निकट नहीं आवे। महावीर जब नाम सुनावे।।

उपाय- यदि व्यक्ति को किसी भी प्रकार का भय सताता है तो नित्य रोज प्रातः और सायंकाल में 108 बार इस चौपाई का जाप किया जाये तो सभी प्रकार के भय से मुक्ति मिलती है।

नासै रोग हरै सब पीरा। जपत निरंतर हनुमत बल बीरा।।

उपाय- यदि व्यक्ति बीमारियों से घिरा रहता है तो निरंतर सुबह-शाम 108 बार जप करके तथा मंगलवार को हनुमान जी की मूर्ति के सामने पूरी हनुमान चालीसा के पाठ से रोगों की पीड़ा खत्म हो जाती है।

अष्ट-सिद्धि नवनिधि के दाता। अस बर दीन जानकी माता।।

उपाय- यदि जीवन में व्यक्ति को शक्तियों की प्राप्ति करनी है ताकि जीवन निर्वाह में मुश्किलों का कम सामना करना पड़े तो नित्य रोज, ब्रह्म मुहूर्त में आधा घंटा इन पंक्तियों के जप से लाभ प्राप्त हो सकता है।

विद्यावान गुनी अति चातुर। रामकाज करीबे को आतुर।।

उपाय- यदि किसी व्यक्ति को विद्या और धन चाहिए तो इन पंक्तियों के जप से हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त हो जाता है। प्रतिदिन 108 बार ध्यानपूर्वक जप करने से व्यक्ति के धन सम्बंधित दुःख दूर हो जाते हैं।

भीम रूप धरि असुर संहारे। रामचंद्रजी के काज संवारे।।

उपाय- यदि कोई व्यक्ति शत्रुओं से परेशान हैं या व्यक्ति के कार्य नहीं बन पा रहे हैं तो हनुमान चालीसा की इस चौपाई का कम से कम 108 बार जप करना चाहिए।

जैन मुनि को केश-लोचन करना अनिवार्य होता है

हाल ही में गुजरात 12वीं बोर्ड में 99.99 प्रतिशत हासिल करने वाले वर्शिल शाह जैन, जैन संत बन गए हैं। वर्शिल महज 17 साल के हैं और गुजरात के ही पालड़ी के रहने वाले हैं। दर्शिल अब जैन मुनि सुवीर्य रत्न विजयजी महाराज के नाम से जाने जाएंगे। पिछले वर्षों में गौर किया जाए तो युवाओं द्वारा संन्यास लेने की सिलसिला काफी बड़ा है। जैन धर्म के अनुयायियों के लिए भले ही यह पूरा घटनाक्रम सकारात्मक हो, लेकिन जैन धर्म के इतिहास पर नजर डालें तो पाएंगे कि जैन धर्म में संन्यास लेने वाले अनुयायी को मुनि की उपाधि दी जाती है। संन्यास लेने के बाद जैन मुनि को निर्ग्रन्थ भी कहा जाता है। मुनि शब्द पुरुषों के लिए तो आर्यिका शब्द स्त्री संन्यासियों को संबोधित किया जाता है। प्रत्येक जैन मुनि को केश-लोच करना अनिवार्य होता है।

तो क्या इतना प्राचीन है जैन धर्म

जैन धर्म ग्रंथों के अनुसार यह धर्म अनादि और सनातन है। यदि आर्यों के भारत आने के बाद से भी देखा जाये तो ऋषभदेव और अरिष्टनेमि को लेकर जैन धर्म की परंपरा वेदों तक पहुंचती है। पुराणों में वर्णित है महाभारत के युद्ध के समय इस संप्रदाय के प्रमुख नेमिनाथ थे, जो जैन धर्म में मान्य तीर्थंकर हैं। आठवीं सदी में 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ हुए, जिनका जन्म काशी में हुआ था। काशी के पास ही 11वें तीर्थंकर श्रेयांसनाथ का जन्म हुआ था। इन्हीं के नाम पर सारनाथ का नाम प्रचलित है। जैन धर्म में श्रमण संप्रदाय का पहला संगठन पार्श्वनाथ ने किया था। ये श्रमण वैदिक परंपरा के विरुद्ध थे। महावीर तथा बुद्ध के काल में ये श्रमण कुछ बौद्ध तथा कुछ जैन हो गए थे। इन दोनों ने अलग-अलग अपनी शाखाएं बना लीं। भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे, जिनका जन्म लगभग ई.पू. 599 में हुआ और जिन्होंने 72 वर्ष की आयु में देहत्यागी। महावीर स्वामी ने शरीर त्यागने से पहले जैन धर्म की नींव काफी मजबूत कर दी थी। अहिंसा को उन्होंने जैन धर्म में अच्छी तरह स्थापित कर दिया था। सांसारिकता पर विजयी होने के कारण वे जिन (जयी) कहलाए। उन्हीं के समय से इस संप्रदाय का नाम जैन हो गया।

क्या आप भी भगवान को फूल चढ़ाते हैं

राजा राम मोहन राय के बगीचे में बड़े ही सुंदर फूलों के पेड़ लगे थे। एक व्यक्ति था जो हर रोज वहां आता और उनसे पूछे बिना ही पूजा के लिए फूल तोड़ कर ले जाता। यह सिलसिला लगातार कई दिनों तक चलता रहा। रोज की तरह ही एक दिन उस व्यक्ति ने फूल तोड़ने के लिए अपनी चादर उतारी और पेड़ पर लटका कर फूल तोड़ने लगा। उसी समय राजा राम मोहन राय के आदेशानुसार एक सेवक ने उस व्यक्ति की वह चादर उठा ली और राजा राम मोहन राय को दे दी।

फूल तोड़ने के बाद जब वह व्यक्ति अपनी चादर लेने के लिए उस पेड़ के पास गया, जहां उसने उसे लटकाई थी, तो वहां चादर न देख वह हैरान रह गया और सोचने लगा कि आखिर उसकी चादर गई कहां? वह गुस्से से आग-बबूला हो गया। कुछ देर बाद राजा राम मोहन राय आए और उन्होंने उस व्यक्ति को उसकी चादर लौटाते हुए कहा, 'अब तो खुश हैं आप, आपको आपकी चादर वापस मिल गई।

उस व्यक्ति ने गुस्से में ही जवाब दिया, खुश? इसमें खुश होने वाली कौन-सी बात है, मुझे अपनी ही वस्तु मिली है।''

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति से पूछा, आप रोज फूल तोड़कर कहां ले जाते हैं?

उस व्यक्ति ने जवाब दिया, मैं ये फूल तोड़कर मंदिर में ले जाता हूं। भगवान को खुश करने के लिए उनको ये फूल अर्पित करता हूं।

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति का यह जवाब सुनकर कहा, पहली बात तो यह कि आप बिना पूछे ही फूल तोड़कर ले जाते हैं। चलो कोई बात नहीं, लेकिन आप भगवान की दी हुई वस्तु भगवान को अर्पित करते हैं, तो इससे भगवान खुश होते हैं क्या?

उस व्यक्ति ने कहा, क्यों नहीं, भगवान को फूल ही तो पसंद हैं, भगवान को फूलों से खुशी मिलती है।

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति से कहा, तो आपको चादर मिलने पर खुशी क्यों नहीं हुई?

राजा राम मोहन राय की यह बात सुनकर वह व्यक्ति सोच में पड़ गया और राजा राम मोहन राय बिना कुछ और कहे लौट गए।

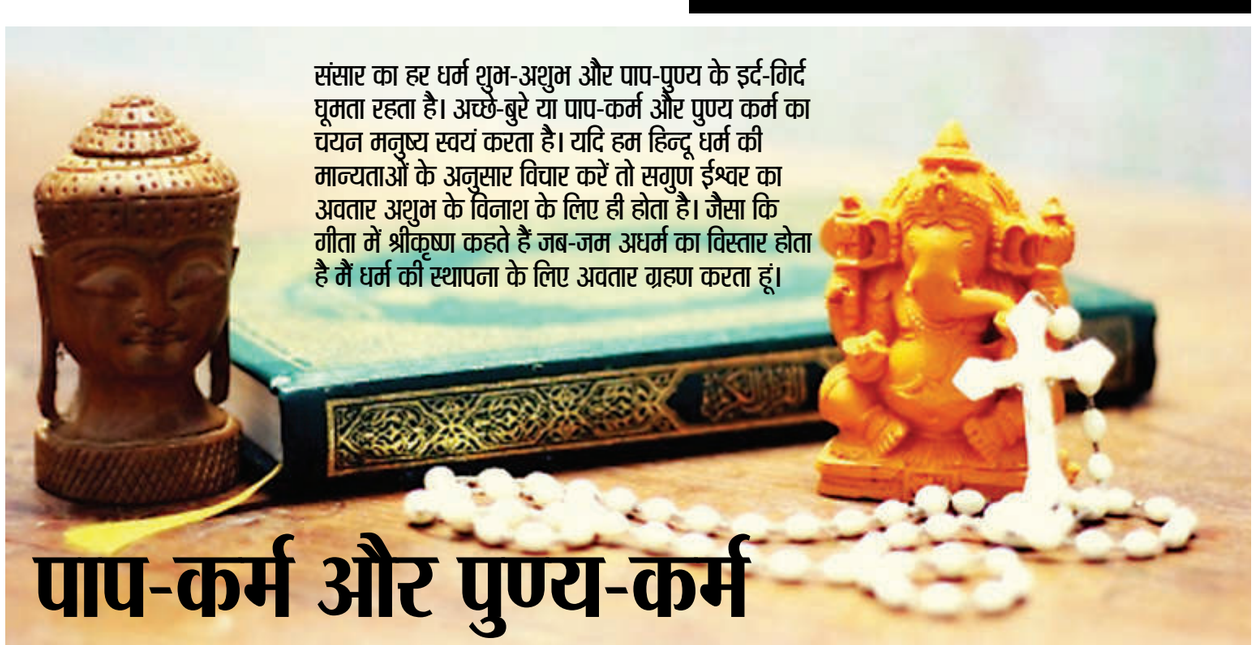

संसार का हर धर्म शुभ-अशुभ और पाप-पुण्य के इर्द-गिर्द घूमता रहता है। अच्छे-बुरे या पाप-कर्म और पुण्य कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है। यदि हम हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार विचार करें तो सगुण ईश्वर का अवतार अशुभ के विनाश के लिए ही होता है। जैसा कि गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं जब-जम अधर्म का विस्तार होता है मैं धर्म की स्थापना के लिए अवतार ग्रहण करता हूं।

पाप-कर्म और पुण्य-कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है

शुभ और अशुभ व पुण्य और पाप की समस्या कर्म-फल-सिध्दांत पर आधारित हैं। जीव यदि अशुभ कर्मों की ओर प्रेरित होता है तो इसके पीछे उसकी अल्पज्ञता, अज्ञान होता है। संसार का हर धर्म शुभ-अशुभ और पाप-पुण्य के इर्द-गिर्द घूमता रहता है। ईसाई धर्म में ईश-चिंतन के संदर्भ में उक्त विचारधारा प्राप्त होती है। ईश्वर परम शुभ है। अतः उस पर पाप या अशुभ का आरोपण नहीं किया जा सकता। बाइबिल में काम-वासना को पाप या अशुभ की संज्ञा दी गई है और उसका शैतान कहा गया है। ईसाई नीतिशास्त्र में पाप या अशुभ पर विचार करते हुए कतिपय महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए गए हैं। इस संसार का निर्माण परमेश्वर ने किया, किन्तु संसार में सर्वत्र पाप ही पाप है। यदि ईश्वर ने सृष्टि की रचना की और ईश्वर शुभ और सर्वशक्तिमान है तो सृष्टि में शुभ ही शुभ होना चाहिए। ईसाई धर्म के अनुसार ईश्वर ने मनुष्य को कर्म की स्वतंत्रता प्रदान की है। अतः अच्छे-बुरे या पाप-कर्म और पुण्य कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है। यदि हम हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार विचार करें तो सगुण ईश्वर का अवतार अशुभ के विनाश के लिए ही होता है। जैसा कि गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं जब-जम अधर्म का विस्तार होता है मैं धर्म की स्थापना के लिए अवतार ग्रहण करता हूं। बाइबिल में ईसा मसीह को पुत्रेश्वर कहा गया है। परमेश्वर के पुत्र के रूप में ईसा मसीह संसार के पापों को दूर करने के लिये-ही धरती पर आए थे।

मालवा की वैष्णो देवी नीमच की भादवा माता

गुप्त नवरात्र शुरू हो गए हैं। इस मौके पर हम आपको एक ऐसे शक्तिपीठ के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि उनकी कृपा से शहर में कोई भूखा नहीं सोता। किसी के पास पैसे की तंगी नहीं रहती है। लोक कथाओं के अनुसार, हरसिद्धि मंदिर में उज्जैन के राजा रहे विक्रमादित्य की आराध्य देवी का वास है। शिवपुराण के अनुसार दक्ष प्रजापति के हवन कुंड में माता के सती हो जाने के बाद भगवान भोलेनाथ सती को उठाकर ब्रह्मांड में ले गए थे। इस दौरान माता सती के अंग जिन स्थानों पर गिरे, वहां शक्तिपीठ स्थापित हो गए। कहा जाता है इस स्थान पर माता के दाहिने हाथ की कोहनी गिरी थी और इसी कारण से यह स्थान भी एक शक्तिपीठ बन गया है। स्कंद पुराण के अनुसार, देवी को चंड एवं मुंड नामक राक्षस के वध के लिए भगवान शिव से सिद्धि मिली थी, इसीलिए वह हरसिद्धि कहलाई। गर्भगृह में एक शिला पर श्रीयंत्र उत्कीर्ण है, जो शक्ति का प्रतीक है। यहां माता लक्ष्मी, महासरस्वती के साथ ही अन्नपूर्णा माता विराजमान हैं। यह स्थान उज्जैन के प्राचीन देवी स्थानों में अपना विशेष महत्व रखता है। वर्तमान में मंदिर के पुनर्निर्माण का श्रेय मराठों को जाता है। मंदिर के सामने मराठा वास्तुकला के अनुसार दीप स्तंभ स्थापित किए गए हैं, जिनमें 1001 दिये बने हुए हैं। दक्षिण में बनी एक बावड़ी पर 1447 संवत का एक शिलालेख भी उत्कीर्ण है। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित शेषनारायण गोस्वामी ने बताया कि गर्भगृह में सबसे ऊपर विराजमान हैं मां अन्नपूर्णा, जिनकी वजह से उज्जैनी में हमेशा भंडारे चलते रहते हैं। कहा जाता है कि उनकी कृपा से उज्जैन में कोई भूखा नहीं सोता है। बीच में मां लक्ष्मी के स्वरुप में है, जिनकी वजह से किसी को भी लक्ष्मी की कमी नहीं आती। सबसे नीचे विराजित हैं महाकाली।

संक्षिप्त समाचार

चंडीगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के चुनाव मार्च 2025 में कराये जाएंगे

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने चंडीगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के चुनावों को मार्च 2025 कराये जाने का फैसला दिया है। हाई कोर्ट की बेंच ने आदेश दिया है कि कि एसोसिएशन के चुनाव मार्च 2025 में स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए जाएं। हाई कोर्ट के इस फैसले से संगठन में चार साल से जारी गुटबाजी और चुनावी विवादों पर अंकुश लगेगा। गौरतलब है कि चंडीगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के अंतिम बार चुनाव 2016 में हुए थे। इसके बाद कोविड-19 महामारी और संगठन के अंदर बढ़ते विवादों के कारण चुनाव नहीं हो पाये। वहीं साल 2021 में दो अलग-अलग गुटों ने चुनाव करवाए थे पर विवाद और वैधानिक मुद्दों के कारण दोनों चुनाव वैध नहीं माने गए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची स्वितोलिना

मेलबर्न। यूक्रेन की महिला टेनिस स्टार एलिना स्वितोलिना जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। एलिना ने चौथे दौर के मुकाबले में वेरोनिका कुदेरमेटोवा को 6-4, 6-1 से हराया। इस प्रकार स्वितोलिना 100 मैच जीतने वाली पहली यूक्रेनी खिलाड़ी बनी हैं। यह उनके करियर का 12वां ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। अब क्वार्टरफाइनल में स्वितोलिना का मुकाबला एलिना रिबाकिना और मेडिसन कीज के बीच होने वाले चौथे दौर के मुकाबले की विजेता खिलाड़ी से होगा।

शाकिब का चेक बाउंस होने के मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन के खिलाफ ढाका की एक अदालत ने चेक बाउंस होने के मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी है। शाकिब हालांकि अभी देश से बाहर हैं। पिछले साल शेख हसीना सरकार के खिलाफ हुए छात्र आंदोलन के बाद उनपर हत्या के एक मामले में आरोप लगे थे जिसके बाद से ही शाकिब बांग्लादेश नहीं लौटे हैं। शाकिब हसीना की आवामी लीग से सांसद थे। इंटरनेशनल फाइनेंस इन्वेस्टमेंट एंड कॉमर्स (आईएफआईसी) बैंक ने शाकिब के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। आईएफआईसी बैंक ने पिछले साल अक्टूबर में चेक बाउंस होने के मामले में कानूनी नोटिस जारी किया था।

फ्रेंचाइजी मालिक बोले- वे आईआपीएल के सबसे सफल कप्तान साबित होंगे, 27 करोड़ में खरीदा था

ऋषभ पंत लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान बने

कोलकाता, एजेंसी। ऋषभ पंत लखनऊ सुपर जायंट्स के नए कप्तान बनाए गए हैं। वे केएल राहुल की जगह लेंगे। ऋषभ पंत दिल्ली कैपिटल्स के भी कप्तान रह चुके हैं। फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयनका ने पंत को कप्तान बनाए जाने का ऐलान करते हुए कहा-

मुझे पंत में एक जन्मजात लीडर दिखता है। वे एक जबर्दस्त लीडर हैं। मुझे लगता है कि वे आईपीएल के सबसे बेहतरीन कप्तान बन सकते हैं। लोग आईपीएल के सबसे सफल कप्तानों की सूची में माही, रोहित को रखते हैं। मेरे शब्दों पर ध्यान दीजिए, 10-12 साल बाद यह माही, रोहित और ऋषभ पंत होंगे। मेगा ऑक्शन के बाद से पंत को लखनऊ का कप्तान बनाने की बातें हो रही थीं। फ्रेंचाइजी ने नवंबर-2024 के मेगा ऑक्शन में पंत को 27 करोड़ रुपए (लगभग 3.21 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में खरीदा था। इसी के साथ पंत इ्क्क के सबसे महंगे खिलाड़ी बने थे।

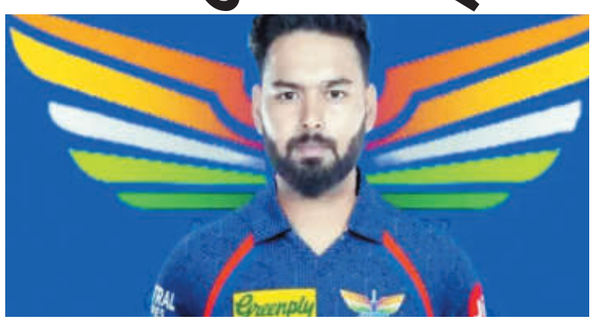

पंत ने इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स को तीन सीजन (2021, 2022 और 2024) में लीड किया है, हालांकि उनकी कप्तानी में टीम 2021 के प्लेऑफ में पहुंची थी। वे कार एक्सीडेंट के बाद 2023 के सीजन से बाहर रहे थे।

केएल राहुल की जगह लेंगे पंत: ऋषभ पंत लखनऊ सुपर जायंट्स में केएल राहुल की जगह लेंगे। केएल राहुल ने पिछले सीजन (2022, 2023, 2024) के लिए स्र्स्र का नेतृत्व किया। टीम ने पहले दो साल प्ले ऑफ में जगह बनाई, हालांकि फाइनल का सफर तय नहीं कर पाई। वहीं 2024 का सीजन काफी खराब रहा, टीम 7वें स्थान पर रही। केएल राहुल की कप्तानी में एलएसजी मुझे पता है कि यह एक नई शुरुआत है, नई फ्रैंचाइज है। हालांकि मैं जिस तरह की कप्तानी करता हूं या क्रिकेट खेलता हूं, उसमें ज्यादा कुछ नहीं बदलेगा। हां, यह जरूर है कि उसमें काफी कुछ जुड़ेंगे। टीम की जो भी रणनीति होगी, उसके हिसाब से आगे बढ़ा जाएगा।

पंत के लिए आईपीएल में एलएसजी दूसरी टीम: पंत के लिए आईपीएल में एलएसजी दूसरी टीम है। इससे पहले उन्होंने आईपीएल में अपने करियर की शुरुआत दिल्ली कैपिटल्स से 2016 में की थी। उस समय डेयरडेविल्स (दिल्ली कैपिटल्स का पुराना नाम) ने उन्हें 2016 के ऑक्शन में 1.6 करोड़ में खरीदा था। पंत दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान भी रहे हैं। वे 2021 में कैप्टन बनाए गए। 2022 में चोट की वजह से वह इ्क्कसे दूर रहे। 2023 में भी वह दिल्ली के कप्तान रहे।

नीलामी से पहले, स्र्स्र ने 5 खिलाड़ियों को रिटेन किया: एलएसजी ने निकोलस पूरन, रवि बिश्नोई, मयंक यादव, आयुष बदोनी और मोहसिन खान को रिटेन किया था, हालांकि इनमें से कोई कप्तान नहीं बना। टीम एक ऐसे भारतीय खिलाड़ी की तलाश में थी जो कप्तान के रूप में राहुल की जगह ले सके। पंत, श्रेयस अय्यर के साथ उनकी सूची में सबसे ऊपर थे। नीलामी में पंत को लेने के लिए एलएसजी और एसआरएच के बीच होड़ लगी रही। उनकी बोली 20.75 करोड़ तक पहुंच गई, बाद में एसआरएच पीछे हट गई। दिल्ली कैपिटल्स से राइट-टु-मैच चुनौती को खत्म करने के लिए स्र्स्र ने इसे बढ़ाकर 27 करोड़ कर दिया।

साल का अपना पहला खिताब जीतने उतरेगी सात्विक-चिराग की जोड़ी

जकार्ता, एजेंसी। भारत के एकल खिलाड़ी सेन और पीवी सिंधू के सामने आसान चुनौती नहीं होगी। पिछले साल पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाले 23 वर्षीय सेन पिछले दो टूर्नामेंट में पहले दौर से बाहर हो गए थे और वह यहां इसकी कमी पूरा करना चाहेंगे।

सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष युगल जोड़ी की नजरें इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में साल का अपना पहला खिताब जीतने पर टिकी होंगी। सात्विक और चिराग की दुनिया की नौवें नंबर की जोड़ी शानदार फॉर्म में है। यह स्टार जोड़ी पिछले दो टूर्नामेंट मलेशिया ओपन सुपर 1000 और इंडिया ओपन सुपर 750 के सेमीफाइनल में पहुंची थी। सात्विक और चिराग दोनों सेमीफाइनल सीधे सेटों में हार गए थे और अब उनका लक्ष्य इस टूर्नामेंट में आगे तक जाना होगा।

चीनी ताइपे की जोड़ी के खिलाफ अभियान की शुरुआत करेंगे सात्विक-चिराग: यह भारतीय जोड़ी इंडोनेशिया मास्टर्स में अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के चेन झी-रे और यू चीह लिन के खिलाफ करेगी। वहीं, लक्ष्य सेन सत्र की निराशाजनक शुरुआत को पीछे छोड़कर वापसी करना चाहेंगे।

65 रन चेज नहीं करने दिए, समोआ की टीम 16 रन पर ऑलआउट

नाइजीरिया ने न्यूजीलैंड को अंडर-19 मैच हराया

मलेशिया, एजेंसी। अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप के तीसरे दिन बड़ा उलटफेर देखने को मिला। अफ्रीकी देश नाइजीरिया ने टेस्ट प्लेइंग नेशन न्यूजीलैंड को 2 रन से ग्रुप स्टेज का मैच हरा दिया। बारिश के कारण 13-13 ओवर का मैच खेला गया। नाइजीरिया ने 65 रन बनाए, जवाब में व्हाइटफर्न्स टीम 63 रन ही बना पाई।

मलेशिया में 18 जनवरी से टूर्नामेंट शुरू हुआ। सोमवार को वर्ल्ड कप में ग्रुप स्टेज के 6 मैच खेले गए। कुचिंग में न्यूजीलैंड को हार का सामना करना पड़ा। वहीं दिन के अन्य मुकाबले में समोआ की टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ 16 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

नाइजीरिया से 2 ही बैटर्स ने 10+ रन बनाए कुचिंग के स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। बारिश के कारण मुकाबला 13-13 ओवर का किया गया। नाइजीरिया की बैटिंग बेहद खराब रही और टीम 6 विकेट खोकर 65 रन ही बना सकी। टीम से लिलियन उदेह ने 18 और कप्तान लकी पीटी ने 19 रन बनाए। नाइजीरिया से 6 बैटर्स 10 रन का आंकड़ा भी नहीं छू सकीं। न्यूजीलैंड से अनिका तौव्हेयर, हैना ओ कोनोर, अनिका टोड, ताश वेकलिन और हैना फ्रांसिस ने 1-1 विकेट लिया। एक बैटर रनआउट भी हुईं। न्यूजीलैंड टीम ने वाइड से 6 रन दिए।

न्यूजीलैंड ने पावरप्ले में 2 विकेट गंवाए 66 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड विमेंस की शुरुआत खराब रही। एमा मैक्लिओड 3 और कैट इरविन खाता खोले बगैर आउट हो गईं।

कोलकाता में बाएं घुटने पर पट्टी बांधकर किया अभ्यास

आखिरकार भारतीय टीम से जुड़े शमी

कोलकाता, एजेंसी। अपने बाएं घुटने पर भारी पट्टी बांधकर शमी ने गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल की निगरानी में शुरुआत में छोटे रनअप के साथ धीमी गेंदबाजी की और फिर पूरे रनअप के साथ गेंदबाजी की गति को बढ़ाया। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ सफेद गेंद की सीरीज के शुरुआती मैच से पहले रविवार को यहां जब अपने तीन घंटे के अभ्यास सत्र के लिए एकत्र हुई तो सभी की नजरें तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी पर थी। चोट के कारण 14 महीने के लंबे अंतराल पर राष्ट्रीय टीम में वापसी करते हुए शमी ने एक घंटे से अधिक समय तक पूरी लय में गेंदबाजी की।

अपने बाएं घुटने पर भारी पट्टी बांधकर शमी ने गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल की निगरानी में शुरुआत में छोटे रनअप के साथ धीमी गेंदबाजी की और फिर पूरे रनअप के साथ गेंदबाजी की गति को बढ़ाया। उन्होंने लगभग एक घंटे तक गेंदबाजी करने के बाद क्षेत्ररक्षण अभ्यास में भी हिस्सा लिया। शमी की फिटनेस को लेकर संदेह था। उन्होंने अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा

जैसे युवा बल्लेबाजों को अपनी गति और सटीक लाइन लेंथ से परेशान कर हर तरह की चिंताओं को दूर किया। इस दौरान विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने उनके खिलाफ कुछ आक्रामक शॉट लगाए। गेंदबाजी अभ्यास खत्म करने के बाद उन्होंने गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल से बातचीत की। शमी को टी20 टीम में शामिल किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि टीम 19 फरवरी से दुबई और पाकिस्तान में शुरू होने वाले आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले अपने तेज आक्रमण को मजबूत करना चाहती है।

जसप्रीत बुमराह की चोट को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है ऐसे में शमी की फिटनेस भारत की योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण है। शमी ने घरेलू क्रिकेट से वापसी करने के बाद राष्ट्रीय टीम में जगह बनाई है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी, सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के बाद विजय हजारे वनडे ट्रॉफी में भी भाग लिया।

निम्न आय वर्ग के धनी समकक्ष देशों की तुलना में विश्वास हुआ कम

भरोसे में भारत तीसरे स्थान पर खिसका

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व आर्थिक मंच की सालाना बैठक से पहले जारी किए गए वार्षिक एडेलमैन ट्रस्ट बैरोमीटर (जो अब अपने 25वें वर्ष में है) से पता चला है कि जब दुनिया के लोगों का भारतीय मुख्यालय वाली कंपनियों पर विश्वास की बात आती है तो भारत इस मामले में 13वें स्थान पर है।

सरकार, कारोबार, मीडिया और गैर सरकारी संगठनों में लोगों के भरोसे के मामले में भारत एक स्थान नीचे खिसक कर तीसरे स्थान पर आ गया है, जबकि निम्न आय वर्ग की आबादी वाले अपने धनी समकक्ष देशों की तुलना में भारत पर कम भरोसा जारी है। विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक से पहले सोमवार को दावोस में जारी एक अध्ययन में यह बात कही गई।

विश्व आर्थिक मंच की सालाना बैठक से पहले जारी किए गए वार्षिक एडेलमैन ट्रस्ट बैरोमीटर (जो अब अपने 25वें वर्ष में है) से भी पता चला है कि जब दुनिया के लोगों का भारतीय मुख्यालय वाली कंपनियों पर विश्वास की बात आती है तो भारत इस मामले में 13वें स्थान पर है।

विदेशी मुख्यालय वाली कम्पनियों की इस सूची में कनाडा शीर्ष पर है, उसके बाद जापान, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस और अमेरिका का स्थान है, जबकि भारत ऊपर रहने वाली वाली कम्पनियों में मैक्सिको, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, चीन और ब्राजील का

भी नाम शामिल हैं। सरकार, व्यवसाय, मीडिया और गैर सरकारी संगठनों में आम जनता के विश्वास की समग्र सूची में चीन फिर से शीर्ष पर रहा, जबकि इंडोनेशिया ने भारत को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया, हालांकि भारत का स्कोर अपरिवर्तित रहा। 28 देशों के सर्वेक्षण में जापान ब्रिटेन के स्थान पर सबसे निचले स्थान पर आ गया। भारत सहित अधिकांश देशों में, निम्न आय वर्ग की जनसंख्या उच्च आय वर्ग की तुलना में कहीं कम भरोसेमंद थी।

उच्च आय वर्ग में भारत को इंडोनेशिया, सऊदी अरब और चीन के बाद चौथा स्थान मिला, जबकि निम्न आय वर्ग में भारत चीन और इंडोनेशिया के बाद तीसरा सबसे विश्वसनीय देश बना। हालांकि, भारतीय संस्थाओं में विश्वास रखने वाले निम्न आय वर्ग के लोगों का प्रतिशत 65 प्रतिशत है, जबकि उच्च आय वर्ग के लोगों में यह प्रतिशत 80 है।

वैश्विक स्तर पर, सर्वेक्षण में कुछ परेशान करने वाली प्रवृत्तियां भी सामने आईं, जहां हिंसा और गलत सूचना के प्रसार को अब परिवर्तन के वैध उपकरण के रूप में देखा जा रहा है। सर्वेक्षण से पता चला कि अधिकांश देशों में चुनावों या सरकारों के परिवर्तन का बहुत कम प्रभाव पड़ता है। वैश्विक संचार फर्म एडेलमैन, जिसने 28 देशों के 33,000 से अधिक उत्तरदाताओं का सर्वेक्षण किया, ने कहा कि बैरोमीटर से पता चला है कि आर्थिक भय शिकायत में बदल गई है, और 10 में से 6 उत्तरदाताओं ने शिकायत की भावना के मध्यम से उच्च होने की बात स्वीकारी है।

भेदभाव का सामना करने का डर 10 अंक बढ़कर 63 प्रतिशत के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है, जो सभी लिंगों, आयु और आय स्तरों में फैला हुआ है। बैरोमीटर ने दिखाया कि सबसे बड़ी उछाल (14 अंक) अमेरिका में गोरों के बीच देखी गई। एडेलमैन के सीईओ रिचर्ड एडेलमैन ने कहा, पिछले दशक में समाज भय से ध्रुवीकरण और फिर शिकायतों की ओर बढ़ गया है। सर्वेक्षण में संस्थागत नेताओं में विश्वास की वैश्विक अभूतपूर्व कमी को भी रेखांकित किया गया है - औसतन 69 प्रतिशत उत्तरदाताओं को चिंता है कि सरकारी अधिकारी, व्यापारिक नेता और पत्रकार जानबूझकर उन्हें गुमराह करते हैं। 2021 के बाद से यह औसत संख्या 11 अंक बढ़ी है। विश्वसनीय सूचना के बारे में भी लोगों के बीच भ्रम की स्थिति है।

भारत को गुलाम बनाने से हुई आधी कमाई ब्रिटेन के 10 प्रतिशत अमीरों की जेब में गई

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिटेन ने भारत पर 1765 से 1947 के दौरान करीब 200 वर्षों तक राज किया। इस दौरान भारत से अंग्रेजों ने करीब 64.82 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की कमाई की जिसमें 33.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर देश के सबसे अमीर 10 प्रतिशत लोगों की जेब में गई। यह इतनी रकम थी कि ब्रिटिश पाउंड के 50 के नोटों से लंदन को लगभग चार बार ढंका जा सकता था।

ब्रिटेन ने भारत पर 1765 से 1947 के दौरान करीब 200 वर्षों तक राज किया। इस दौरान भारत से अंग्रेजों ने करीब 64.82 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की कमाई की जिसमें 33.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर देश के सबसे अमीर 10 प्रतिशत लोगों की जेब में गई। यह इतनी रकम थी कि ब्रिटिश पाउंड के 50 के नोटों से लंदन को लगभग चार बार ढंका जा सकता था। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई है।

यह रिपोर्ट ऑक्सफैम इंटरनेशनल की नवीनतम प्रमुख वैश्विक असमानता रिपोर्ट का हिस्सा है, जो हर साल विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के पहले दिन जारी की जाती है। %टेकर्स, नॉट मेकर्स% शीर्षक वाली यह रिपोर्ट, विश्व भर के धनी और शक्तिशाली लोगों की वार्षिक बैठक शुरू होने से कुछ घंटे पहले सोमवार को दावोस में जारी की गई। इस रिपोर्ट में कई अध्ययनों और शोध पत्रों का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि आधुनिक बहुराष्ट्रीय कंपनियां केवल उपनिवेशवाद की

देन हैं। रिपोर्ट में कहा गया, ऐतिहासिक उपनिवेशवाद के समय में व्याप्त असमानता और लूट की विकृतियां, आधुनिक जीवन को आकार दे रही हैं।

वैश्विक दक्षिण के लोगों का हो रहा शोषण, वैश्विक उत्तर के लोग कर रहे कमाई: ऑक्सफैम ने कहा, इससे एक अत्यधिक असमान दुनिया निर्मित हुई है, एक ऐसी दुनिया जो नस्लवाद पर आधारित विभाजन से त्रस्त है। यह एक ऐसी दुनिया है जो वैश्विक दक्षिण से व्यवस्थित रूप से पैसे की कमाई कर रही है, इसका लाभ मुख्य रूप से वैश्विक उत्तर के सबसे अमीर लोगों को मिलता है।

विभिन्न अध्ययनों और शोध पत्रों को आधार बनाकर ऑक्सफैम ने गणना की कि 1765 और 1900 के बीच ब्रिटेन के सबसे धनी 10 प्रतिशत लोगों ने अकेले भारत से आज के हिसाब से 33.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की संपत्ति निकाली। रिपोर्ट के अनुसार, यह राशि लंदन को ब्रिटिश पाउंड के 50 नोटों से चार बार ढंकने के लिए पर्याप्त थी।

हेज फंड्स के साथ कथित मिलीभगत के चलते भड़क गई रिसर्च कंपनी

वाशिंगटन। कनाडा के एक पोर्टल ने दायर दस्तावेजों में दावा किया है कि हेज फंड्स के साथ कथित मिलीभगत के आरोपों के चलते नैट एंडरसन और हिंडनबर्ग रिसर्च ने कंपनी को बंद करने की घोषणा की है। हेज फंड्स जो विभिन्न प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं, निवेशकों के बीच भरी प्रतिष्ठा रखते हैं। दायर दस्तावेजों में स्पष्ट हुआ कि नैट एंडरसन और एन्सन के बीच ईमेल के माध्यम से साझा हुआ रिसर्च, हिंडनबर्ग की नकारात्मक रिपोर्ट की तैयारी में एन्सन की अहम भूमिका थी। दायर दस्तावेजों के मुताबिक एन्सन हेज फंड के प्रमुख ने स्वीकारा कि उनकी कंपनी ने हिंडनबर्ग रिसर्च को सहायता प्रदान की थी।

अंग्रेजों के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर आगे बढ़ी बात

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ मिलकर अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी विकसित करने और महत्वपूर्ण कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने के लिए काम करेगा, ताकि आर्थिक संबंध और मजबूत हो सकें। ब्रूसेल्स में 18-19 जनवरी को गोयल और यूरोपीय व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मैरोस सेफकोविक के बीच हुई बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की गई। दोनों नेताओं ने व्यावसायिक रूप से सार्थक व्यापारिक एजेंडा बनाने और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की दिशा में काम करने पर भी सहमति व्यक्त की।

आर्थिक वृद्धि दर बढ़ाने के लिए आयकर में कटौती और निवेश पर जोर जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। 16वें वित्त आयोग की सलाहकार परिषद के सदस्य डीके श्रीवास्तव ने कहा, शहरी खपत पिछड़ रही है, इसलिए व्यक्तिगत आयकर संरचना को दरों और कटौती दोनों के संदर्भ में तर्कसंगत बनाना चाहिए, ताकि खर्च करने के लिए अतिरिक्त पैसा निम्न और मध्य आय वर्ग के हाथों में आ सके।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार को बढ़ावा देने के लिए व्यक्तिगत आयकर को कम करने और निवेश के लिए ज्यादा पूंजी आवंटित करने जैसे घरेलू कारकों पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। 16वें वित्त आयोग की सलाहकार परिषद के सदस्य डीके श्रीवास्तव ने कहा, शहरी खपत पिछड़ रही है, इसलिए व्यक्तिगत आयकर संरचना को दरों और कटौती दोनों के संदर्भ में तर्कसंगत बनाना चाहिए, ताकि खर्च करने के लिए अतिरिक्त पैसा निम्न और मध्य आय वर्ग के हाथों में आ सके।

श्रीवास्तव ने कहा, इस समय वैश्विक आर्थिक स्थितियां दुनियाभर की आर्थिकी के लिए उपयुक्त नहीं हैं। ऐसे में सरकार को घरेलू मांग जैसे कारकों पर बहुत अधिक निर्भर रहना पड़ता है। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में चालू वित्त वर्ष के संशोधित अनुमानों की तुलना में पूंजीगत खर्च में 20 फीसदी की वृद्धि होनी चाहिए। चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.8 फीसदी और अगले वित्त वर्ष में 4.4 फीसदी रहने का अनुमान है।

सपने अमीरों का विशेषाधिकार नहीं, गौतम अदाणी बोले

ये उन लोगों का पुरस्कार जो अथक परिश्रम करते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। सपने अमीरों का विशेषाधिकार नहीं हैं, वे उन लोगों का पुरस्कार हैं जो विश्वास करने और अथक परिश्रम करने का साहस करते हैं। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने यह बात अहमदाबाद में अदाणी इंटरनेशनल स्कूल में अपने संबोधन में कही। उन्होंने आगे क्या कहा, आइए जानें।

सपने अमीरों का विशेषाधिकार नहीं हैं, वे उन लोगों का पुरस्कार हैं जो विश्वास करने और अथक परिश्रम करने का साहस करते हैं। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने यह बात अहमदाबाद में अदाणी इंटरनेशनल स्कूल में अपने संबोधन में कही। छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्त करने में सपनों, कड़ी मेहनत और लचीलेपन की शक्ति का बहुत महत्व है। अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए, उन्होंने बिना किसी रोडमैप, संसाधनों या कनेक्शन के शुरुआत करने की बात स्वीकार की।

उन्होंने कहा, लेकिन उनके पास कुछ सार्थक बनाने का सपना था। उन्होंने कहा, मैं हर एक दिन इसका सपना देखता था। और जब मैं पीछे देखता हूं- तो मैं कह सकता हूं कि सपने अमीरों का विशेषाधिकार नहीं हैं। वे उन लोगों का पुरस्कार हैं जो विश्वास करने और अथक परिश्रम करने का साहस करते हैं। अदाणी ने भारत के सबसे तेजी से बढ़ते समूह अदाणी समूह के बारे में कहा कि कंपनी की सफलता व्यवसाय बनाने से कहीं आगे है। उन्होंने कहा, हमने जो भी निर्णय लिया, जो भी जोखिम उठाया, वह एक लक्ष्य से प्रेरित था। हम ऐसा कुछ कैसे बना सकते हैं जो अधिक से अधिक लोगों की सेवा करे? यह हमारे सपनों को पंख देने का साहस और किसी और की तुलना में अधिक ऊंची और तेज उड़ान भरने की दृढ़ता के बारे में है। अदाणी ने कहा, असफलताएं आएंगी, और बाधाएं आपकी परीक्षा लेंगी, लेकिन यह याद रखें- असफलता सफलता का विपरीत नहीं है, यह सफलता का सबसे महत्वपूर्ण साथी है। साधारण और असाधारण सफलता के बीच एकमात्र अंतर लचीलापन और हर गिरावट के बाद उठने का साहस है। अदाणी बच्चों में मजबूत मूल्यों को स्थापित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आपके बच्चे सिर्फ आपकी संपत्ति से अधिक प्राप्त करते हैं। उन्हें आपके मूल्य मिलते हैं। उन्हें लचीलापन, सहानुभूति और दूसरों की सेवा करने की क्षमता से लैस करें। उन्हें खोज करने, नवाचार करने, सपने देखने के लिए प्रोत्साहित करें। लेकिन उन्हें जड़ें भी दें ताकि वे कभी भी उस मिट्टी को न भूलें जिससे वे आए हैं।

टाटा मोटर्स करेगी अपनी नई और इलेक्ट्रिक कारों का प्रदर्शन

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स अपनी नई और इलेक्ट्रिक कारों का प्रदर्शन ऑटो एक्सपो 2025 में करेगी, जिसमें कुछ नए मॉडल्स और कुछ मौजूदा मॉडल्स को अपडेट किया गया है। इसके अलावा, कंपनी ग्रीन फ्यूल तकनीक और अपने आईसीई एसयूवी के लिमिटेड वेरिएंट्स भी शोकेस करेगी। टाटा मोटर्स इस एक्सपो में अपनी इलेक्ट्रिक कारों को लेकर काफी उत्साहित है। सबसे खास आकर्षण होगी टाटा की सियेरा ईवी, जिसे पहले कई बार कॉन्सेप्ट के रूप में दिखाया जा चुका है, लेकिन इस बार इसे फाइनल प्रोडक्शन मॉडल के रूप में पेश किया जा सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह मॉडल टाटा की नई हेरियर ईवी और सफारी ईवी जैसी अंडरपिनिंग से लैस हो सकता है। हालांकि, इस गाड़ी के लॉन्च में अभी समय है, लेकिन इसके आईसीई वर्जन को भी शो में देखा जा सकता है। टाटा हेरियर ईवी का इंतजार कर रहे लोगों के लिए यह खबर खुशखबरी लेकर आई है।

गैरतगंज में शुरू होंगे नए व्यवसायिक कोर्स, जिला कौशल विकास समिति की बैठक में हुआ निर्णय

बरेली में बनेगा नया आईटीआई कॉलेज

रायसेन, निप्र। रायसेन में युवाओं के कौशल विकास को नई दिशा देने के लिए सोमवार को कलेक्टर अरविंद दुबे की अध्यक्षता में जिला कौशल विकास समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में हुई इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए, जिनमें बरेली में नए आईटीआई की स्थापना और शासकीय आईटीआई गैरतगंज में नए व्यवसायिक पाठ्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव प्रमुख है।

रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं-कलेक्टर: बैठक में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर दुबे

ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के अधिकाधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। इस पहल से क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और उनका कौशल विकास होगा।

बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर श्वेता पवार और शासकीय आईटीआई रायसेन के अधीक्षक प्रदीप खातेरकर सहित अन्य वरिष्ठ जिला अधिकारी उपस्थित थे।

रिसाइकल कचरे से बनाया ऑक्सीजन पार्क, एक्युप्रेशर पेवर ब्लॉक वाला पाथ-वे, कल सांची विधायक करेंगे लोकार्पण

रायसेन में पुलिस लाइन के सामने एक अनूठा ऑक्सीजन पार्क तैयार किया गया है। पार्क पूरी तरह से रीसाइकल की गई सामग्री से बनाया गया है। 40 हजार वर्गफीट क्षेत्र में फैले इस पार्क का लोकार्पण 21 जनवरी को सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी करेंगे।

नगर पालिका द्वारा 5 लाख रुपए की लागत से विकसित इस पार्क में प्लास्टिक की बोतलें, पुराने टायर, कचरा फेंकने वाली ट्रॉली, पत्थर, लकड़ी और बांस का कलात्मक उपयोग किया गया है। पार्क की बाउंड्री बांस से बनाई गई है और चारों ओर एक्युप्रेशर वाले पेवर ब्लॉक से पाथ-वे तैयार किया गया है, जहां लोग मॉर्निंग वॉक कर सकेंगे।

ऑक्सीजन देने वाले 500 से अधिक पौधे लगाए गए: नगर पालिका के सीएमओ सुरेखा जाटव ने बताया कि पार्क में लकड़ी से टेबल और पुराने टायर से आरामदायक बैठने की व्यवस्था की गई है।

पहिया सिर के ऊपर से गुजरा, बीरपुर से कंप्यूटर क्लास के लिए रायसेन आती थी

घर लौट रही छात्रा को ट्रक ने रौंदा, मौत

रायसेन, निप्र। स्कूटी में छात्रा के साथ उसके मामा पुरुषोत्तम सिंगरौली (28) भी सवार थे, जिन्हें गंभीर चोट आई है। रायसेन में मंगलवार दोपहर एक ट्रक की टक्कर से पीजीडीसीए की छात्रा की मौत हो गई। हादसा भोपाल रोड स्थित दरगाह शरीफ के पास हुआ। ट्रक का पहिया छात्रा के सिर के ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक ट्रक को मौके पर छोड़ फरार हो गया।

इलेक्ट्रिक स्कूटी में छात्रा के साथ उसके मामा पुरुषोत्तम सिंगरौली (28) भी सवार थे, जिन्हें गंभीर चोट आई है। मृतका के भाई मंजीत के अनुसार, सानू पांच भाई-बहनों में सबसे छोटी थी। वह रोजाना की तरह बीरपुर से कंप्यूटर क्लास के लिए रायसेन आई थी।

ट्रक चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज: थाना कोतवाली प्रभारी संदीप चौरसिया ने बताया कि पुलिस को सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया जाएगा। पुलिस ने ट्रक जब्त कर चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

जमीन का मालिकाना हक मिलने पर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

भूअधिकार अभिलेख पाकर खुश हुए ग्राम पंचायत हिनोतिया महलपुर निवासी हितग्राही मनोज दुबे

रायसेन, एजेंसी। रायसेन जिले के गैरतगंज तहसील के ग्राम हिनोतिया महलपुर निवासी हितग्राही श्री मनोज दुबे व उनके परिवार के लिए 18 जनवरी का दिन दीपावली से कम नहीं था, जब उन्हें स्वामित्व योजना के तहत आवासीय जमीन का भूअधिकार अभिलेख प्राप्त हुआ। हितग्राही श्री मनोज दुबे ने बताया कि वह वर्षो से हिनोतिया महलपुर में जिस जमीन पर रह रहे हैं, अभी तक उनके पास कोई भी वैद्य दस्तावेज नहीं थे। लेकिन प्रधानमंत्री

स्वामित्व योजना के तहत 18 जनवरी को महामहिम राज्यपाल के हाथों भूअधिकार अभिलेख मिलने से उनकी खुशी दोगुनी हो गई। यह योजना उन जैसे लाखों हितग्राहियों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

मनोज दुबे बताते हैं कि उन्हें यही लगता था कि हमारा जीवन तो जैसे- तैसे हो गया, परंतु आने वाली पीढ़ी का क्या होगा। लेकिन अब भूअधिकार अभिलेख मिल जाने से उनकी सभी चिंताएं दूर हो गई हैं। अब वे भी हक से दूसरों से कह सकते हैं कि यह जगह मेरी है। अपनी स्वयं की जमीन के वैधानिक दस्तावेज का वित्तीय उपयोग कर बैंक से आसानी से ऋण प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए वह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद देते हुए स्वामित्व योजना की प्रशंसा करते हैं।

म.प्र. मदरसा बोर्ड की कक्षा 10वीं-12वीं उर्दू माध्यम के परीक्षा आवेदन 31 मार्च तक

रायसेन। म.प्र. मदरसा बोर्ड की सत्र 2025 में आयोजित होने वाली कक्षा 10वीं-12वीं उर्दू माध्यम की परीक्षाओं के आवेदन-पत्र भरने की सुविधा अधिकृत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से 20 जनवरी 2025 से 31 मार्च 2025 तक एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी। आवेदन-पत्रों में त्रुटि सुधार 10 अप्रैल तक किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन के पश्चात मूल दस्तावेज 15 अप्रैल 2025 तक भेजे जाना अनिवार्य है। इन परीक्षाओं को भारत सरकार एवं राज्य शासन से मान्यता एवं समकक्षता प्राप्त है। अधिकृत अध्ययन केन्द्रों एवं छात्रों को निर्देशित किया जाता है कि आवेदन-पत्र भरने से पूर्व बोर्ड द्वारा जारी दिशा निर्देशों का भलिभांति अवलोकन कर लें, जिससे की आवेदन-पत्रों में किसी प्रकार की त्रुटि न हो।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान से हितग्राही लाभांवित हो रहे है

विधायक टण्डन ने शिविरों में शामिल होकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी

विदिशा, निप्र। विदिशा जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत शिविरो का आयोजन जारी है। जिला पंचायत अध्यक्ष गीता रघुवंशी और विधायक मुकेश टण्डन ने शिविरो में शामिल होकर आमजनों की समस्याओं के निदान की पहल की और मौके पर योजनाओं से लाभांवित होने वाले हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया है। जिला पंचायत अध्यक्ष ने दीघौरा एवं अटारीखेजडा के शिविर में कहा कि एक ही छत के नीचे सरकार की सभी योजनाओं का लाभ मिले और उनकी मूलभूत समस्याओं

का समाधान हो यही शिविर की मंशा है।

आवास प्लस योजना के तहत जिले में सर्वे कार्य जारी है नवीन पात्रता के अनुसार हितग्राही स्वंय अपने मोबाइल से भी सर्वे में अपना नाम जोड सकते है। उक्त आश्य के विचार विदिशा विधायक मुकेश टण्डन ने आज मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत आयोजित शिविरो में व्यक्त किए है।

विधायक टण्डन ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार का एक ही उद्धेश्य है कि हर गरीब का पक्का आशियाना हो। वहीं शासन की योजनाओं से लाभ लेकर हितग्राहियों के जीवन में परिवर्तन आए और वे स्वंय आर्थिक रूप से सबल हो सकें। विधायक टण्डन ने सोमवार को ग्राम पंचायत घौंसुआ, सिमरहार, सुआखेडी, मढीपुर, अटारीखेजडा और दीघौरा में आयोजित शिविरो में शामिल होकर स्थानीय ग्रामीणजनों की समस्याओं को सुना और निराकरण की पहल कराई है।

भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान समारोह

एसबीआई में पेंशनर एसोसिएशन ने किया कार्यक्रम

रायसेन, निप्र। रायसेन के सागर रोड स्थित एसबीआई बैंक में सोमवार को भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर पेंशनर एसोसिएशन ने देश की सेवा और रक्षा में योगदान देने वाले जवानों को सम्मानित किया।

इस सम्मान समारोह का उद्देश्य समाज में देशभक्ति और सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ावा देना था। पेंशनर एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सैनिकों के परिवार के सदस्यों और स्थानीय नागरिकों ने भी भाग लिया।

सैनिकों के त्याग और सेवा की प्रेरणा लेनी चाहिए: इस अवसर पर पेंशनर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों

ने सैनिकों के योगदान की प्रशंसा की और उनके बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि सैनिकों का सम्मान करना हमारा नैतिक कर्तव्य है और हमें उनके त्याग और सेवा की प्रेरणा लेनी चाहिए।

पेंशनर एसोसिएशन के हनुमान प्रसाद शर्मा ने कहा कि मैं हर नागरिक से अपील करता हूं कि देश की सेवा के लिए अपनी जान निछावर और जान की बाजी लगाने वाले हर सेवा के जवानों का सम्मान करना चाहिए इस सम्मान समारोह का यही उद्देश्य है।

झांकियो की संक्षेपिका जमा कराने के निर्देश

विदिशा। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक के दौरान गणतंत्र दिवस 26 जनवरी पर जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों का भी जायजा लिया हैं। उन्होंने कहा कि जिन विभागो के द्वारा झांकियां प्रस्तुत की जाएगी उसमें फ्लैक्स कम होना चाहिए माडल अधिक हो। कलेक्टर श्री सिंह ने उन सभी विभागो के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि झांकी आधारित संक्षेपिकाएं शीघ्र जमा कराएं। कलेक्टर सिंह ने फायनल रिहर्सल तिथि 23 जनवरी को फुल डेऊस में रिहर्सल हो ताकि ऐसा लगे कि कहीं कोई त्रुटि नहीं है। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, परेड में शामिल दलो की तैयारियों के संबंध में विभागीय अधिकारी नजर रखें के निर्देश दिए है।

अतिक्रमण पर बड़ी कार्रवाई, मुख्य बाजार समेत कई इलाकों में दुकानदारों का सामान जब्त

विदिशा, निप्र। विदिशा नगर पालिका ने शहर में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। शहर के मुख्य बाजार, शिवाजी चौक और स्वर्णकार कॉलोनी में नगर पालिका की टीम ने कार्रवाई करते हुए सड़कों पर रखा दुकानदारों का सामान जब्त किया और जुर्माना वसूला।

यह कार्रवाई कलेक्टर रोशन कुमार सिंह के निर्देश पर की गई। 10 जनवरी को कलेक्टर ने शहर के मुख्य बाजार का निरीक्षण किया था, जहां दुकानदारों द्वारा सड़कों पर अवैध रूप से सामान रखकर अतिक्रमण करने का मामला सामने आया था। इसके बाद उन्होंने नगर पालिका सीएमओ को अतिक्रमण विरोधी दस्ता बनाकर रोजाना कार्रवाई के आदेश दिए।

18 दुकानों का सामान जब्त किया था: नगर पालिका की टीम ने शुक्रवार को 18 दुकानों का सामान जब्त किया था। आज शिवाजी चौक और तिलक चौक और बाजार

में करीब 8 दुकानों का सामान जब्त किया गया। अतिक्रमण विरोधी दल के प्रभारी और उप यांत्रिकी संजय श्रीवास्तव ने बताया कि दुकानदारों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे अपना सामान दुकान की सीमा में ही रखें।

अभियान निरंतर जारी रहेगा: दुकानदारों द्वारा सड़कों पर किए जा रहे अतिक्रमण से यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही थी। सड़कें संकरी हो जाने से जाम की स्थिति बन रही थी और आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। नगर पालिका की चेतावनी के बावजूद दुकानदार बार-बार सड़कों पर सामान रखकर अतिक्रमण कर रहे थे।

एमपी किसान एप के माध्यम से मोबाइल से घर बैठे कर सकेंगे पंजीयन

किसान भाईयों से निर्धारित समय में पंजीयन कराने की अपील

रायसेन, निप्र। रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये किसान पंजीयन प्रक्रिया का निर्धारण कर दिया गया है। किसान 20 जनवरी से 31 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। कलेक्टर श्री अरविंद दुबे ने किसानों से आग्रह किया है कि निर्धारित समय में पंजीयन करा लें, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो। उन्होंने बताया है कि शासन द्वारा किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। किसान स्वयं के मोबाईल से एम.पी. किसान एप के माध्यम से घर बैठे पंजीयन कर सकेंगे। किसानों को पंजीयन केन्द्रों में लाईन लगाकर पंजीयन कराने की समस्या से मुक्ति मिलेगी। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के लिये गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2425 रुपये घोषित किया गया है। यह गत वर्ष से 150 रुपये अधिक है।

पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था: पंजीयन की नि:शुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र और एम.पी. किसान एप पर भी की गई है।

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था: पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है। प्रति पंजीयन के लिये 50 रूपये से अधिक शुल्क निर्धारित नहीं किया जाएगा। किसान पंजीयन के लिए भूमि संबंधी दस्तावेज़ एवं किसान के आधार कार्ड एवं अन्य फोटो पहचान पत्रों का समुचित परीक्षण कर उनका रिकार्ड रखा जाना अनिवार्य होगा।

सिकमी, बटाईदार, कोटवार एवं वन पट्टाधारी किसान के पंजीयन की सुविधा केवल सहकारी समिति एवं सहकारी विपणन सहकारी संस्था द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर उपलब्ध होगी।

हर्ष फायर में गुना के तीन घायल, विदिशा के हरिपुर में चौक में शामिल होने गए थे

गुना। गुना जिले के आरोन इलाके से विदिशा जिले के लटेरी थाना इलाके ने गए तीन ग्रामीण आज (सोमवार) हर्ष फायर में घायल हो गए। तीनों को गोली के छर्रे लगे हैं। सभी ग्रामीण चौक के कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। जिस युवक ने फायर किया, उसके पिता भी छर्रे लगने से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार विदिशा जिले के लटेरी थाना अंतर्गत आने वाले हरिपुर गांव में चौक का कार्यक्रम था। यहां तीन दुल्हनों की विदाई होनी थी।

45 दिनों के लिए किया गया था नियुक्त, 8 रुपए प्रति सर्वे मिलना था

300 सहायक पटवारियों को चार महीने से नहीं मिला वेतन

विदिशा, निप्र। मध्य प्रदेश के विदिशा में किसानों की फसलों का सर्वे करने के लिए नियुक्त किए गए लगभग 300 सहायक पटवारियों को पिछले चार महीने से वेतन नहीं मिला है। सोमवार को सहायक पटवारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर एडीएम के माध्यम से कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। सहायक पटवारियों ने बताया कि उन्हें प्रति सर्वे 8 रुपए की दर से भुगतान किया जाना था। प्रतिदिन वे 20 से 30 सर्वे करते हैं। प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें 45 दिनों के लिए नियुक्त किया

गया था और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी उन्होंने गिरदावरी का कार्य पूरा किया। इससे पहले भी वे तीन बार वेतन की मांग को लेकर ज्ञापन सौंप चुके हैं।

दैनिक खर्चों को पूरा करने में हो रही कठिनाई: वेतन नहीं मिलने से इन कर्मचारियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मामले में एडीएम अनिल डामोर ने सहायक पटवारियों को जल्द से जल्द भुगतान कराने का आश्वासन दिया है। सहायक पटवारियों का कहना है कि वेतन न मिलने से उनके परिवार की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है और दैनिक खर्चों को पूरा करने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

टीएल बैठक में की गई सीएम हेल्पलाईन तथा विभागीय गतिविधियों की समीक्षा

सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का समयावधि में करें निराकरण

रायसेन, निप्र। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री अरविंद दुबे ने सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों तथा निराकरण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विभागवार सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाईन में प्राप्त शिकायतों को संबंधित अधिकारी गंभीरता से लें तथा समयावधि में शिकायतों को संतुष्टिपूर्ण निराकृत करने की कार्यवाही करें। बैठक में कलेक्टर श्री दुबे ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी अधिकारी स्वयं शिकायतों को अटेन्ड करें। कोई भी शिकायत अधिक समयावधि तक लंबित ना रहे। शिकायत प्राप्त होते ही नियमानुसार निराकरण की कार्यवाही की जाए। संबंधित शिकायतकर्ता से भी चर्चा कर उसे

निराकरण की कार्यवाही से अवगत कराएं। उन्होंने सभी अधिकारियों को 100 दिवस से अधिक समयावधि की शिकायतों का प्राथमिकता के साथ संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित कराने के लिए कहा। कलेक्टर श्री दुबे ने समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन हेतु किसान पंजीयन हेतु बनाए गए केन्द्रों की जानकारी लेते हुए कहा कि अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन सुनिश्चित कराएं। उन्होंने 26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों की भी जानकारी लेते हुए अधिकारियों को सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पंचायत, लोक निर्माण विभाग, पीएचई, महिला बाल विकास विभाग सहित अनेक विभागों की विभागीय योजनाओं तथा गतिविधियों की समीक्षा की गई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार, डिप्टी कलेक्टर तथा जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

लंबित आवेदनों व योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा

विदिशा, निप्र। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सोमवार को लंबित आवेदनों के साथ-साथ शासकीय योजनाओं व कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की समीक्षा की है। कलेक्टेऊट के बेतवा सभागार में आयोजित इस बैठक में उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदन खासकर पचास दिवस और दिसम्बर माह के आवेदनों का निराकरण करें ताकि जिले की रैंकिंग सूची टॉप फाइव में शामिल रहे। अब तक विभागवार निराकृत किए गए आवेदनों की जानकारियों से संबंधित विभागीय अधिकारी के द्वारा प्रस्तुत की गई।

कलेक्टर सिंह ने कहा कि आवास प्लस योजना के तहत सर्वे कार्य जिले में प्रारंभ हो गया है अत: इसका व्यापक प्रचार-प्रसार हर स्तर पर

कराया जाना सुनिश्चित हो ताकि नवीन कम्पोनेट के तहत पात्रताधारी के नाम सूची में दर्ज हो सकें। उन्होंने कहा कि विशेष शिविरो के माध्यम से सर्वे कार्य को मूर्तरूप दिया जाए। शिविर आयोजन के पूर्व जानकारियां तथा तिथि के साथ-साथ शिविर में क्या-क्या दस्तावेंज लेकर आएं ताकि उनके नाम आवास प्लस योजना के तहत दर्ज हो सके कि जानकारियां भलीभांति रूप से अवगत हो सके इसके लिए ग्राम स्तर पर शिविर आयोजित किए जाए और शिविरो से पहले प्रचार-प्रसार कराया जाना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर सिंह ने जिला पंचायत सीईओ को निर्देश दिए है कि समस्त जनपदों व ग्राम पंचायत स्तरों पर प्रचार-प्रसार के आधुनिक संसाधनो का अधिक से अधिक दोहन करें। विशेष अभियान के उपरांत एक भी हितग्राही ऐसा वंचित नही रहना चाहिए जो पात्रता रखता था और सर्वे में उसका नाम दर्ज नहीं हो पाया। नाम दर्ज कराने के लिए निर्धारित प्रक्रिया के अलावा मोबाइल से नाम दर्ज कराने के निर्धारित पैरामीटरो से भी अवगत कराने के निर्देश दिए गए है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा भोपाल- 462023 (म.प्र.) भोपाल से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9981502276, 27054436, 9826735596. भोपाल कार्यालय : 4240007. स्थानीय व्यवस्थापक श्याम अग्रवाल मो. नं. 9826735596 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।